मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 37
अंक : 111
भोपाल, बुधवार
10 जून 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

03 3 साल बाद पुरुषोत्तम मास में सोमवती अमावस्या का संयोग

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

इंडिया ए ने श्रीलंका ए को ट्राई सिरीज का पहला वनडे हराया 06

राज्यसभा चुनाव - नटराजन का नामांकन रद्द, तीसरी सीट पर सस्पेंस

आखिर क्यों हुआ मीनाक्षी नटराजन के साथ खेला

भोपाल ■ जगत शर्मा

मध्य प्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों के लिए चल रहे ताजा चुनावी घटनाक्रम के बीच एक बार फिर भाजपा ने कांग्रेस को चुनाव से पहले ही चित कर दिया है। फिलहाल राज्यसभा चुनाव में सबसे बड़ा घटनाक्रम यह है कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र खारिज हो गया है। इसके बाद भाजपा के तीसरे उम्मीदवार महेश केवट का निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है। अब सवाल यह है कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के साथ खेला क्यों हुआ, तो इसका जवाब प्रदेश कांग्रेस की आपसी गुटबाजी, रणनीति की कमी और पूरे दमखम के साथ चुनाव में नहीं उतरने को कारण माना जा सकता है। इस चुनावी घटनाक्रम के कुछ मुख्य बिंदु सामने आए हैं।

मंत्री विजयवर्गीय के दावे को हल्के में लेने का परिणाम

इस पूरे मामले का सबसे रोचक पहलू कैबिनेट मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय के इस दावे को कांग्रेस द्वारा हल्के में लेने का है। जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर हाईकमान तीसरा राज्यसभा प्रत्याशी देता है, तो हम उसे जिता कर देंगे। कांग्रेस ने कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के इस बयान को बहुत हल्के में लिया और इस तरफ ध्यान नहीं दिया ,जिसका परिणाम अब सामने आया है। अपने एक बयान में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह भी कहा है कि वह कौन है जिसने हमें यह इनफॉरमेशन दी कि नामांकन पत्र में त्रुटि है। विजयवर्गीय के इस बयान से स्पष्ट होता है कि कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है ,और कहीं ना कहीं से यह इनफॉरमेशन लीक हुई है जिसका परिणाम नामांकन रद्द होकर सामने आया है।

- **कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन खारिज :** कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का फॉर्म जांच के दौरान रद्द हुआ।जिसका कारण तेलांगना के एक मामले का उल्लेख उन्होंने अपने नामांकन पत्र में नहीं किया,यह बताया गया है।
- **अब महेश केवट की जीत पक्की:** भाजपा के तीसरे प्रत्याशी महेश केवट अब निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। जैसे कि पहले ही कयास लगाए जा रहे थे कि भाजपा के सभी नेता तीसरी सीट पर भी कब्जा करने की बात कर रहे हैं तो कुछ बड़ा होने वाला है।
- **कांग्रेस को बड़ा झटका:** विधानसभा में संख्याबल होने के बावजूद कांग्रेस अपनी सीट हार गई।जिससे कांग्रेस के भीतर चल रही अंदरुनी उठा-पटक और रणनीति की कमी उजागर हो चुकी है। हालांकि कांग्रेस ने बाड़ाबंदी का भी प्रयास किया था लेकिन उससे पहले ही मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द हो गया।
- **कांग्रेस का भोपाल से लेकर दिल्ली तक प्रदर्शन:** कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल ने चुनाव आयोग के बाहर धरना दिया। इसी तरह से भोपाल में भी कांग्रेसी नेताओं ने चुनाव आयोग के बाहर प्रदर्शन किया। कांग्रेस अब कोर्ट जाने की रणनीति बना रही है।
- **नामांकन रद्द होने की वजह जानकारी छुपाने का आरोप:** भाजपा ने मीनाक्षी नटराजन के फॉर्म पर आपत्ति जताई थी, उन्होंने आरोप लगाया कि मीनाक्षी नटराजन ने तेलंगाना में उन पर एक मामले के संदर्भ में जो जानकारी थी, उसे अपने नामांकन पत्र में दाखिल नहीं किया है ,जिस वजह से उनका नामांकन पत्र रद्द किया जाए। जिस पर रिटर्निंग ऑफिसर में संज्ञान लेते हुए नामांकन पत्र रद्द कर दिया।
- **मामले का विवरण और जांच में पुष्टि:** कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन ने हैदराबाद (तेलंगाना) में दर्ज एक मामले की जानकारी छिपाई थी। जिसकी पुष्टि जांच के दौरान हुई। जिसके बाद चुनाव अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच के बाद नामांकन खारिज किया।
- **सीटों और उम्मीदवारों का गणित :** मध्य प्रदेश में राज्यसभा की 3 सीटों पर चुनाव घोषित था, जिनके नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं मतदान 18 जून को होना था।
- **भाजपा के उम्मीदवार लगभग जीत चुके हैं:** भाजपा ने तरुण चुघ, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को उतारा था। तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल तो पहले से ही लगभग विजयी माने जा रहे थे। लेकिन अब जो थोड़ा बहुत सस्पेंस महेश केवट के निर्वाचन पर था , वह भी खत्म हो चुका है। इस वजह से कह सकते हैं कि भाजपा के तीनों उम्मीदवार और राज्यसभा सांसद लगभग बन चुके हैं।

ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका

टीएमसी सांसद सुष्मिता देव ने इस्तीफा दिया, पार्टी भी छोड़ी

बंगाल। पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम और टीएमसी चीफ ममता बनर्जी को झटके पर झटके लगने का दौर जारी है। ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका लगा है। दीदी की करीबी राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने इस्तीफा दे दिया है। साथ ही सुष्मिता देव ने पार्टी से भी इस्तीफा दे दिया है। हालांकि उनके इस्तीफे का कारण सामने नहीं आया है। उनके इस्तीफे को पार्टी के लिए एक और राजनीतिक झटके के तौर पर देखा जा रहा है। सुष्मिता देव का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब टीएमसी पहले से ही अंदरूनी असंतोष और नेताओं के पार्टी छोड़ने की घटनाओं का सामना कर रही है। सुष्मिता देव लंबे समय से टीएमसी का प्रमुख चेहरा रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल की बेमिसाल सेवा

गुफा मंदिर पहुंचे सीएम डॉ. यादव ने पीएम मोदी की लंबी उम्र के लिए पूजा-अर्चना की

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गौरवशाली नेतृत्व और उनकी राष्ट्रीय सेवा के सफल 12 वर्ष (महत्वपूर्ण उपलब्धियों के कालखंड) पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में विशेष आध्यात्मिक आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को लालघाटी स्थित प्रसिद्ध गुफा मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और प्रार्थना कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का आयोजन पीएम मोदी द्वारा राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान और उनके निरंतर सेवा पथ के सम्मान में किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन किया और बजरंगबली का आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात, उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, रविन्द्र यति सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री दिल्ली हुए रवाना।

धार्मिक उत्साह का माहौल: लालघाटी स्थित गुफा मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। पूरे मंदिर परिसर में 'जय श्री राम' और 'हर-हर महादेव' के जयकारे गूंजते रहे। मुख्यमंत्री ने मंदिर के संतों से भी मुलाकात की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। यह कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी और समर्थकों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन और उनकी सेवा यात्रा को रेखांकित करने के लिए आयोजित किए जा रहे विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों का एक हिस्सा था।

प्रधानमंत्री के स्वस्थ जीवन की कामना

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व पटल पर एक नई पहचान बना रहा है। उनके पिछले 12 वर्षों की राष्ट्रीय सेवा का सफर अद्भुत और प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने भगवान हनुमान से प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, लंबी आयु और देश को विश्व गुरु बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए प्रार्थना की।

ईरान का 'मिशन बदलापुर':

अमेरिका के हमले के बाद पूरे खाड़ी में मचाया कोहराम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर से दोबार शुरू हुई अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष कुछ घंटे में घातक युद्ध में तब्दील हो गया है। अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर पर हमला करने का आरोप लगाते हुए अमेरिकी सेना ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से लेकर ईरान के कई बड़े शहरों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने पूरे खाड़ी में 'मिशन बदलापुर' बना दिया है। ईरान ने कतर से लेकर जॉर्डन तक ताबड़तोड़ अमेरिकी बेस पर हमला किया है। इस हमले के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए गए और कई जगहों पर धमाकों की आवाजें सुनी गईं। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स यानी आईआरजीसी ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों का दावा किया है। बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट, कुवैत के अली अल सलेम एयरबेस और अन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

कतर से लेकर जॉर्डन तक अमेरिकी बेस पर किया हमला

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल हमले किए। कम से कम चार बैलिस्टिक मिसाइलें और कई ड्रोन अमेरिकी ठिकानों की ओर दागे गए। ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन के एक एयरबेस पर लंबी दूरी की मिसाइलों से हमला किया।

टीएमसी को हर दिन झटका!

पूर्व चेयरमैन सव्यसाची दत्ता 1 करोड़ की रंगदारी मांगने में गिरफ्तार

बंगाल ■ एजेंसी

टीएमसी नेता और बिधाननगर नगर निगम के पूर्व चेयरमैन सव्यसाची दत्ता को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। टीएमसी नेता सव्यसाची दत्ता की गिरफ्तारी के बाद बड़ा हंगामा देखने को मिला। पश्चिम बंगाल के बिधाननगर नगर निगम के प्रभावशाली पूर्व अध्यक्ष सव्यसाची दत्ता को 1 करोड़ रुपये की कथित रंगदारी मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी उनके राजारहाट स्थित आवास से हुई है।

जवाहर लाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की पहली प्रतिक्रिया आई

पीएम मोदी ने देशवासियों को संदेश देते हुए जनसेवा, विनम्रता और सुशासन को लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बताया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने जवाहर लाल नेहरू के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड तोड़कर अपने नाम कर लिया है। अब पीएम मोदी देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने वाले प्रधानमंत्री बन गए। प्रधानमंत्री मोदी ने ये उपलब्धि 10 जून 2026 को अपने नाम किया। जवाहर लाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद पीएम मोदी की पहली प्रतिक्रिया आ गई है। पीएम मोदी ने देशवासियों को संदेश देते हुए जनसेवा, विनम्रता और सुशासन को लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बताया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- जनसेवा ही सुशासन की सबसे बड़ी कसौटी है।

कांग्रेस विधायक विपिन जैन सड़क हादसे में घायल, ऑटो से हुई टक्कर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में कांग्रेस विधायक विपिन जैन सड़क हादसे में घायल हो गए। हादसा 74 बंगला क्षेत्र में उस समय हुआ जब वे अपने सरकारी निवास से कांग्रेस कार्यालय के लिए रवाना हुए थे। दुर्घटना में विधायक के साथ उनके पीएसओ को भी चोटें आई हैं। विधायक को टांके लगाए गए हैं और उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। भोपाल के वीआईपी इलाके 74 बंगला में कांग्रेस विधायक विपिन जैन का वाहन हादसे का शिकार हो गया। जानकारी के अनुसार विधायक अपने सरकारी निवास से कांग्रेस कार्यालय जाने के लिए निकले थे, तभी एक ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और हादसा हो गया। इस दुर्घटना में विधायक विपिन जैन को चोटें आई हैं।

अंतर्मना उवाच

आज का थोथा ज्ञान

हम समझाते भी अच्छा हैं, समझते भी अच्छा हैं, लेकिन स्वयं न समझना चाहते हैं, न सुधरना चाहते हैं..!

*यही कारण है कि आज देश में हर एक घंटे में 18-20 मौतें हो रही है। **ज्ञान अथाह है, केवल विवेक का अभाव है।***

'बिन विवेक सत्संग न होई,
बिन विवेक प्रभु मिलन न होई।'

*स्त्री-पुरुषों, युवक-युवतियों में **आत्महत्या का विचार** स्त्री-युवतियों में ज्यादा आता है, लेकिन आंकड़े पुरुष के ज्यादा आते हैं। स्त्रियों में कोई भी छोटा बड़ा दु:ख आता है तो वह रो लेगी, चिल्ला लेगी, गुस्सा कर लेगी और बाद में नॉर्मल हो जाएगी। पुरुष यह नाटक करने में फैल है, इसलिए वह डायरेक्ट सूइसाइड आत्महत्या करने के निर्णय पर पहुंच जाता है। माना कि प्रयास स्त्री अधिक करती हैं परंतु परिणाम पुरुषों में युवकों के ज्यादा आते हैं।*

भीष्ण गर्मी में 42डिग्री तापमान में तप करते तपस्वी सम्राट अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज

हम अपने प्रवचन में अक्सर कहते हैं –

'स्त्री चाहे कितना भी काजू-बादाम खा ले,
पिस्ता बेचारा आदमी ही है...'

आत्महत्या एक ऐसा कुकृत्य है जो बेहोशी, तन्द्रा, मूर्छा अज्ञान की दशा में होता है।** जिस भारतभूमि में आत्मकल्याण और आत्मध्यान की चर्चा होती हो, वहाँ आत्महत्या जैसे कुकृत्य हो रहे हैं, यह आध्यात्मिक देश या आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी असफलता है। जिस देश में **60 लाख से ज्यादा साधु संत** विचरण करते हों, सत्संग करवाते हों, कथा प्रवचन करते हों और फिर भी यदि हमारा देश बुराइयों से ना बच पाएं, कुकृत्यों से बाहर ना निकल पाएं, कषाय और अहंकार से मुक्त ना हो पाएं, तो सब बेकार है। **धर्म की आड़ में या तो साधु सन्यासी अपनी-अपनी रोटियां सेक रहे हैं, या फिर अच्छा खासा व्यापार कर रहे हैं।

आध्यात्मिक भारत देश का व्यक्ति यदि प्रात: सत्संग, ज्ञान ध्यान से इतना ही समझ लें कि आत्महत्या समझदारों का कार्य नहीं, यह तो ना समझो और मूर्खों के कार्य हैं। तो अनेक जीवन बच सकते हैं।

***जीवन ईश्वर का अमूल्य उपहार है।** समस्या चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसका समाधान जीवन समाप्त करना नहीं, बल्कि साहस, संवाद, संयम और आत्मविश्वास के साथ उसका सामना करना है।*

जीवन से बड़ा कोई संघर्ष नहीं और संघर्ष से बड़ा कोई विजेता नहीं...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

जॉइंट डायरेक्टर के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

महिला बाल विकास विभाग अफसर का सुपर मार्केट और दो मंजिला जिम, आय से अधिक संपत्ति के प्रमाण मिले

इंदौर ■ अमृत दर्शन

भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत इंदौर लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार सुबह महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक (डिप्टी डायरेक्टर) लक्ष्मी नारायण कंडवाल के विभिन्न ठिकानों पर एक साथ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रारंभिक जांच में उनके पास ज्ञात आय से 241 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने के संकेत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई।

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश सहाय के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के लिए विशेष न्यायालय इंदौर से तलाशी वारंट प्राप्त किया गया। इसके बाद सुबह करीब 6 बजे तीन अलग-अलग टीमों ने कंडवाल से जुड़े मकान, जिम, डिपार्टमेंटल स्टोर और अन्य परिसरों पर एक साथ दस्तक दी। कार्रवाई के दौरान दस्तावेजों, बैंक संबंधी रिकॉर्ड और संपत्तियों से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य खंगाले जा रहे हैं।

लोकायुक्त की प्रारंभिक जांच के अनुसार वर्ष 1996 से सरकारी सेवा में रहे लक्ष्मी नारायण कंडवाल की वेतन एवं अन्य वैध स्रोतों से कुल आय लगभग ढाई करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि अब तक सामने आई संपत्तियों का मूल्य करीब साढ़े नौ करोड़ रुपये पाया गया है। जांच एजेंसी का दावा है कि यह उनकी ज्ञात आय से लगभग 241 प्रतिशत अधिक है।

जांच में स्कीम नंबर-103 स्थित 252 वर्गमीटर के व्यावसायिक भूखंड पर निर्मित लगभग 13,500 वर्गफीट के बहुमंजिला भवन का भी खुलासा हुआ है। इस भवन की तीन मंजिलों पर व्यवसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं, जबकि ऊपरी मंजिल पर कंडवाल परिवार निवास करता है। इसके अलावा स्कीम नंबर-140 में दो बड़े प्लॉट और पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े तारपुरा, बेकलाय और बनेड़िया सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित 11 भूखंड भी जांच के घेरे में आए हैं।

लोकायुक्त अधिकारियों के मुताबिक तलाशी अभियान पूरा होने के बाद जब्त दस्तावेजों और संपत्तियों का विस्तृत मूल्यांकन कराया जाएगा। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धाराओं के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदेश में चल रहे अभियान के बीच यह कार्रवाई प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है। लोकायुक्त की इस बड़ी कार्रवाई को हाल के समय की महत्वपूर्ण जांचों में से एक माना जा रहा है।

उड़ता तीर

युवक पर फायर करने वाला बदमाश और गर्लफ्रेंड गिरफ्तार

जबलपुर। जबलपुर में गढ़ा थाना पुलिस ने युवक पर तीन राउंड फायरिंग करने वाले शातिर बदमाश करण विश्वकर्मा और उसकी गर्लफ्रेंड सोनानी बर्मन को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल भी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब 10 :30 बजे करण विश्वकर्मा अपनी गर्लफ्रेंड के साथ बाइक से लाल बिल्डिंग क्षेत्र पहुंचा था। यहां उसकी मुलाकात अंकित लखेरा से हुई। दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद करण ने पिस्टल निकालकर एक के बाद एक तीन राउंड फायर कर दिए। गोली अंकित को नहीं लगी, लेकिन जान बचाने के लिए भागते समय वह दीवार से टकरा गया, जिससे उसके सिर में चोट आई। फायरिंग की आवाज सुनते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायल अंकित को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जांच में सामने आया कि करण को शक था कि अंकित उसके विरोधियों को उसकी लोकेशन बताता है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच एक महीने पहले भी विवाद हुआ था। करण की हर्ष अहिरवार और आर्यन से पुरानी दुश्मनी भी बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर तलाश शुरू की और करण विश्वकर्मा तथा उसकी गर्लफ्रेंड सोनानी बर्मन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब महिला की भूमिका की भी जांच कर रही है। गढ़ा थाना प्रभारी प्रसन्न शर्मा ने बताया कि आरोपी करण विश्वकर्मा के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपियों से पूछताछ जारी है और वारदात में इस्तेमाल पिस्टल जब्त कर ली गई है।

सामुदायिक भवन के खिलाफ झूठी शिकायत व अफवाह फैलाने का मामला

जनपद सीईओ-तहसीलदार बोले- सामुदायिक भवन सही जगह बन रहा, काम नहीं रोकेंगे

- नाराज ग्रामीण पहुंचे बैतूल, अपर कलेक्टर वंदना जाट व अन्य अफसरों को बताई हकीकत
- जिले के अफसरों ने साथ में मौके पर भेजे क्षेत्र के तहसीलदार व जनपद सीईओ

बैतूल ■ निसं

भीमपुर जनपद की ग्राम पंचायत लक्कड़जाम पंचायत में सामुदायिक भवन निर्माण को लेकर की गई झूठी शिकायतों का सोमवार शाम को मौके पर पहुंचे भीमपुर जनपद सीईओ नान सिंह चौहान और तहसीलदार बसंत बरखानिया ने पटाक्षेप कर दिया है। यह भी कह दिया कि किसी हालत में काम नहीं रोकना है।

असल में उक्त पंचायत के लोगों ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सामुदायिक भवन स्वीकृत किया है। सरपंच, उप सरपंच व पंचों ने दो महीने पहले भवन का काम शुरू कराया है। सरपंच पार्वती बाई का कहना है कि तभी से अजित रायपुरे, राजकुमार रायपुरे, विनोद मालवीय समेत कुछ अन्य लोग झूठी शिकायत कर रहे थे। ये हाल में बैतूल भी पहुंचे थे, इन्होंने प्रशासन के नाम एक ज्ञापन देने का दावा करते हुए कहा था कि पंचायत भवन का निर्माण आदिवासियों के आराध्य देव मेघनाथ बाबा स्थल पर किया जा रहा है। यह भी कहा था कि भवन बिल्कुल रोड से सटकर बनाया जा रहा है। इसके अलावा कई तरह का भ्रम फैलाया था। कुछ ग्रामीणों के खिलाफ झूठी शिकायतें भी कर दी थीं।

सरपंच पार्वती बाई भीमपुर जनपद की चार पंचायतों को सबसे पहले भवन मिला, जिसमें लक्कड़जाम का भी नाम शामिल है। इसे बनाने के लिए लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, तीन-तीन बार ग्राम सभा बुलाई गई, मुनादी भी कराई, लेकिन अफवाह व भ्रम फैलाने वाले लोगों ने कभी ठीक से साथ नहीं दिया। जब काम शुरू किया तो आदिवासियों में भ्रम फैलाने की कोशिश के झूठे प्रयास किए। विवादित जमीनों का सीमांकन कराने के नाम पर देरी कराने और राशि लैप्स कराने के प्रयास किए गए। जैसे ही यह बात ग्रामीणों को पता चली तो सभी मिलकर सोमवार को बैतूल पहुंचे। कलेक्टर से मिलना था लेकिन वे नहीं थे, जिसके कारण अपर कलेक्टर वंदना जाट को वस्तु स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने तहसीलदार, जनपद सीईओ को साथ में मौके पर भेजा। विधायक को बताया- भाजपाई दे रहे, कांग्रेसियों का साथ- लक्कड़जाम के 50 से ज्यादा ग्रामीण जिला भाजपा के गंज स्थित विजय भवन भी पहुंचे। यहां जिला अध्यक्ष व भैसदेही विधायक महेंद्र सिंह चौहान को बताया कि खुद को भाजपाई बताने वाले गांव के विनोद मालवीय खुद को कांग्रेसी कहने वाले अजित रायपुरे व राजकुमार रायपुरे के साथ मिलकर खुद की सरकार द्वारा स्वीकृत भवन का काम रोकने में जुटे हैं। ग्रामीण ने बताया कि इस पर विधायक ने गंभीर आपत्ति ली और स्वयं ने तहसीलदार, जनपद सीईओ को भ्रम फैलाने, झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों के मुताबिक अजित रायपुरे व अन्य ने क्षेत्र के पूर्व विधायक धरमू सिंह सिरसाम व लोकसभा प्रत्याशी रहे रामू टेकाम को भी झूठी शिकायत मामले में ज्ञापन देने के लिए साथ लेकर गए थे। ग्रामीण रमेश धुर्वे समेत अन्य ने बताया कि उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी रामू टेकाम को झूठी शिकायत मामले में वस्तु स्थिति से अवगत करा दिया है।

गेट पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू

कुबेरेश्वरधाम में बवाल: पंडित प्रदीप मिश्रा के इस फैसले के खिलाफ भड़के व्यापारी

इछावर ■ निसं

आस्था के बड़े केंद्र कुबेरेश्वरधाम से एक बेहद चौंकाने वाली और आक्रोशित करने वाली खबर सामने आ रही है। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र में अब दुकानदारों के पेट पर लात मारने का खेल शुरू हो गया है। पंडित प्रदीप मिश्रा के एकतरफा और कथित तानाशाही फैसले के विरोध में आज धाम के बाहर सैकड़ों छोटे-बड़े व्यापारी सड़क पर उतर आए हैं और उग्र धरने पर बैठ गए हैं।

मामला कुबेरेश्वरधाम के गेट नंबर 1 और गेट नंबर 2 को अचानक बंद किए जाने का है। इन दोनों मुख्य द्वारों को बंद करने से इसके आसपास दुकान लगाने वाले स्थानीय दुकानदारों की रोजी-रोटी पूरी तरह ठप हो गई है। ग्राहकी शून्य होने से भड़के व्यापारियों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

लोगों का आरोप है कि उन्होंने कुबेरेश्वरधाम के भरोसे, कर्ज लेकर और अपनी जमा-पूंजी लगाकर यहाँ दुकानें खोली थीं। लेकिन प्रबंधन ने बिना किसी पूर्व सूचना या ठोस वजह के गेट नंबर 1 और 2 पर ताला जड़ दिया। लोग कह रहे है कि प्रदीप मिश्रा व्यासपीठ से तो बड़े-बड़े प्रवचन देते हैं, लेकिन जमीन पर गरीब दुकानदारों के पेट पर लात मार रहे हैं। गेट बंद होने से हमारी दुकानें कबाड़ बन गई हैं। हमारे बच्चे भूखे मरने की कगार पर हैं। व्यापारियों का कहना है कि सीहोर के स्थानीय लोगों ने कुबेरेश्वरधाम को खड़ा करने और यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन आज जब धाम का नाम बड़ा हो गया, तो स्थानीय छोटे व्यापारियों को ही दरकिनार किया जा रहा है। गेट नंबर 1 और 2 बंद होने से श्रद्धालुओं का आवागमन दूसरे रास्तों से कर दिया गया है, जिससे इन गेटों के सामने सन्नाटा पसरा है।

हेलीकॉप्टर नहीं, समय पर एंबुलेंस चाहिए, समाजसेवी ने प्रशासन को दी चेतावनी

आलीराजपुर ■ निसं

मध्य प्रदेश के आलीराजपुर जिले में 108 एंबुलेंस सेवा की बदहाल व्यवस्था को लेकर जनसुनवाई में जमकर नाराजगी देखने को मिली। समाजसेवी दीपक दीक्षित ने प्रशासन के सामने शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि जिले में गंभीर मरीजों को समय पर एंबुलेंस नहीं मिल पा रही है, जिससे लोगों की जान तक जा रही है।

समाजसेवी दीपक दीक्षित ने बताया कि हाल ही में एक बुजुर्ग व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने पर समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसी क्या वजह है कि स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रबंधन जरूरत के समय लोगों को एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। समाजसेवी दीपक ने कहा, हमें हेलीकॉप्टर नहीं चाहिए, हमें समय पर एंबुलेंस चाहिए। लोगों की जान सिर्फ इसलिए जा रही है क्योंकि एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच रही।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो प्रभारी मंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लेने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर कब तक आम जनता को समय पर एंबुलेंस सुविधा मिल पाएगी और कब स्वास्थ्य व्यवस्था लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

पुरुषोत्तम मास - श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ आयोजन हेतु काया परिवार द्वारा प्रमुख मातृशक्तियों को व्यास पीठ से धर्मध्वजवाहिका सम्मान प्रदान किया गया

अग्रणी महिला संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाली समाजसेविकाएं हुईं अलंकृत

बुधनी ■ निसं

श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज और काया परिवार ने सनातन संस्कृति के संरक्षण हेतु जताया

नरसिंहपुर। संस्कारधानी नगरी में पुरुषोत्तम मास के पावन उपलक्ष्य में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का समापन अत्यंत गरिमामयी और भावपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अनुष्ठान की पूर्णाहूति के अवसर पर, स्थानीय तुलसी मानस भवन (सदर मढिया) में नगर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक महिला संगठनों का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व करने वाली आयोजन मंडल की प्रमुख मातृशक्तियों को व्यास पीठ के सम्मुख प्रतिष्ठित धर्म ध्वज वाहिका सम्मान-2026 से अलंकृत किया गया। कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज के पावन सानिध्य में, काया जनकल्याण समिति द्वारा आयोजन मंडल की इन प्रमुख देवियों को राधे-राधे नाम वाली चुनरी, स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। महाराज जी ने इस अवसर पर कहा कि नरसिंहपुर की इन धर्म ध्वज वाहिकाओं ने भीषण गर्मी के बाद भी जिस एकजुटता, सेवा भाव और बेजोड़ संगठन क्षमता से इस विशाल धर्म-यज्ञ को सफल बनाया है, वह संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणादायी है। इन महिलाओं ने समाज में सनातन संस्कारों की ज्योति जलाई है और भावी पीढ़ी को मार्ग दिखाया है।

आयोजन समिति की ओर सुश्री इंदु सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस गरिमामयी मंच पर नगर के विभिन्न महिला मोर्चों और सामाजिक संगठनों का नेतृत्व करने वाली प्रमुख समाजसेविकाओं का सम्मान किया गया। इसमें मुख्य रूप से श्रीमती सुमनलता पटेल, श्रीमती संध्या कोठारी, श्रीमती विवेक पांडेय, श्रीमती सरला पांडेय, श्रीमती अरुणा दुबे, श्रीमती ज्योति चौहान, श्रीमती कविता दुबे तथा श्रीमती निशा सोनी सम्मिलित रहीं। इसी क्रम में धर्म और सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली श्रीमती नीरा बुधौलिया, श्रीमती रचना त्रिवेदी, श्रीमती स्वाति जायसवाल, श्रीमती शिखा साहू, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव, श्रीमती भारती कौरव एवं श्रीमती अर्चना सोनी को भी व्यास पीठ से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही आयोजन को भव्यता प्रदान करने में सक्रिय योगदान देने वाली श्रीमती आरती सिंह, श्रीमती मुक्ति राय, श्रीमती वंदना तंतुवाय, श्रीमती अंजली नेमा, श्रीमती रक्षा पालीवाल तथा श्रीमती हृषिता खत्री को भी यह प्रतिष्ठित सम्मान सादर भेंट कर उनके समर्पण को सराहा गया। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत सभी मातृशक्तियों ने भावुक मन से ठाकुर जी और व्यास पीठ का आशीर्वाद लिया।

जनसुनवाई में गले में जूतों की माला पहनकर पहुंचा किसान

पुलिसकर्मी पर जमीन हड़पने का आरोप

नीमच ■ निसं

नीमच में किसान प्रकाश मालवीय गले में जूतों की माला पहनकर जनसुनवाई में पहुंचा। उसने एक पुलिस आरक्षक पर कृषि भूमि पर अवैध कब्जा, मिट्टी उत्खनन और फसल नष्ट करने का आरोप लगाया तथा कार्रवाई नहीं होने पर प्रशासन के समक्ष विरोध जताया।

मध्य प्रदेश के नीमच जिला मुख्यालय पर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी और सनसनी का माहौल बन गया, जब साप्ताहिक जनसुनवाई में एक किसान अपने गले में जूतों की माला पहनकर पहुंच गया। कलेक्ट्रेट परिसर में किसान का यह अनोखा और तीखा विरोध प्रदर्शन देख वहां मौजूद अधिकारी, कर्मचारी और अन्य फरियादी हक्के-बक्के रह गए। पीड़ित किसान ने पुलिस विभाग में तैनात एक आरक्षक पर उसकी कृषि भूमि पर अवैध कब्जा करने और फसल बर्बाद करने का गंभीर आरोप लगाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नीमच के ग्राम सावन निवासी किसान प्रकाश मालवीय लंबे समय से अपनी पैतृक कृषि भूमि को लेकर परेशान हैं। मंगलवार को वह हाथ में शिकायती आवेदन और गले में जूतों की माला लटकाए सीधे कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में दाखिल हो गया।

पीड़ित प्रकाश मालवीय का आरोप है कि नीमच पुलिस में पदस्थ राहुल गुर्जर नामक पुलिसकर्मी ने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर उसकी अनुपस्थिति का फायदा

बेटे की मौत ने तोड़ा बुजुर्ग का सहारा

किसान का खेत से दफ्तर तक संघर्ष- धान तोल लिया, भुगतान गायब, 10 लाख की आस में दर-दर की खा रहा ठोकर

शहडोल ■ निसं

अन्नदाता को सम्मान और फसल का समय पर भुगतान देने के सरकारी दावों के बीच शहडोल जिले से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां 80 साल की उम्र में खेतों में खून-पसीना बहाकर उगाई गई धान तो खरीदी केंद्र ने ले ली, लेकिन लाखों रुपये का भुगतान आज तक नहीं हुआ। मेहनत की कमाई की आस में किसान अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काटता रहा और इसी बीच इलाज के अभाव में उसके जवान बेटे की मौत हो गई। अब बुजुर्ग किसान न्याय और अपने हक की रकम के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। यह हृदय विदारक मामला जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित अमझोर के रामसोहरा धान खरीदी केंद्र का है।

जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम गांधीय निवासी राम प्रताप कंवर बुजुर्ग किसान ने उम्र के इस पड़ाव में भी लगभग 45 रकबा जमीन पर खेती कर जनवरी माह में 1169 बोरी धान रामसोहरा धान खरीदी केंद्र में जमा कराया था। किसान के मुताबिक धान खरीदी केंद्र प्रभारी मदन मोहन पांडेय ने धान तो तौल लिया, लेकिन उसे ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज नहीं किया गया। यही वजह है कि करीब 10 लाख रुपये का भुगतान आज तक अटका हुआ है।

बुजुर्ग किसान का कहना है कि उसने खून-पसीना बहाकर खेती की थी ताकि परिवार का सहारा बन सके, लेकिन भुगतान नहीं मिलने से आर्थिक संकट इतना बढ़ गया कि उसके बीमार बेटे का समुचित इलाज नहीं हो सका। इलाज के अभाव में 4 जून को बेटे की मौत हो गई, बेटे को खोने के बाद अब बुजुर्ग किसान न्याय और अपनी मेहनत की रकम पाने के लिए 50 किलोमीटर से अधिक सफर तय कर जिला मुख्यालय में अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है।

वहीं पूरे मामले में सहायक आपूर्ति अधिकारी प्रदीप द्विवेदी ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। प्रारंभिक जांच में किसान की आईडी पावती जारी नहीं होने की बात सामने आई है। मामले की जांच कराई जा रही है और जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

छात्रावास की बदहाली से परेशान छात्राओं ने कलेक्टर से लगाई गुहार, भोजन में कीड़े मिलने का भी दावा

शिवपुरी ■ निसं

ज्ञापन में छात्राओं ने भोजन की गुणवत्ता में सुधार, पानी की टंकियों की नियमित सफाई, प्रत्येक मंजिल पर पर्याप्त शौचालय और स्नानघर, खराब पंखों को बदलने, कूलर लगाने, अधीक्षिका की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

शिवपुरी शहर के टीवी टावर रोड स्थित शासकीय पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राओं का सब्र मंगलवार को जवाब दे गया। मूलभूत सुविधाओं के अभाव और प्रबंधन की अनदेखी से परेशान छात्राएं जनसुनवाई में पहुंचीं और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर तत्काल सुधार की मांग की। छात्राओं ने भोजन में कीड़े मिलने, पेयजल की खराब गुणवत्ता, शौचालय और स्नानघर की कमी समेत कई गंभीर समस्याएं उठाईं।

छात्राओं का आरोप है कि छात्रावास अधीक्षिका प्रीति सूर्येश कई-कई दिनों तक छात्रावास नहीं आतीं। उनकी अनुपस्थिति में व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। छात्राओं ने बताया कि नाश्ते और भोजन की गुणवत्ता बेहद खराब है। दाल अत्यधिक पतली परोसी जाती है और सब्जी में कई बार कीड़े निकल आते हैं। शिकायत करने पर समस्या का समाधान करने के बजाय उन्हें डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है।

छात्राओं ने बताया कि छात्रावास में शौचालय और स्नान की व्यवस्था भी बेहद खराब है। दूसरी मंजिल पर करीब 50 छात्राएं रहती हैं, लेकिन उनके लिए केवल एक शौचालय उपलब्ध है। सुबह लंबी कतार लगने के कारण कई बार छात्राओं को कक्षाओं के लिए देर हो जाती है। वहीं स्नान के लिए पर्याप्त और सुरक्षित बाथरूम नहीं होने से उन्हें खुले स्थान पर नहाने को मजबूर होना पड़ता है, जिससे उनकी निजता प्रभावित हो रही है।

पेयजल की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। छात्रा मनीषा जाटव ने बताया कि छत पर बनी पानी की टंकियों की महीनों से सफाई नहीं हुई है। टंकियों में काई जम गई है और पानी से दुर्गंध आती है। गंदा पानी पीने के कारण छात्राओं में बुखार, उल्टी और पेट दर्द जैसी शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

बहन की डोली से पहले उठी भाई की अर्थी

बारातियों के नाश्ते का सामान लेने गया था, भैंस से टकराई बाइक; 14 वर्षीय भीम की मौत

छतरपुर ■ निसं

मध्यप्रदेश के छतरपुर में शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब दुल्हन के 14 वर्षीय छोटे भाई भीम अहिरवार की सड़क हादसे में मौत हो गई। मंगलवार सुबह बहन की विदाई होनी थी, लेकिन उससे पहले ही घर में फेरे रुक गए और डोली की जगह भाई की अर्थी उठने की तैयारी शुरू हो गई।

जानकारी के अनुसार, लवकुशनगर थाना क्षेत्र के बागमऊ गांव में चेतराम अहिरवार की बेटी वंदना की शादी थी। सोमवार रात बारात गांव पहुंची थी और घर में शादी की रस्में चल रही थीं। मंगलवार सुबह सात फेरे और विदाई की तैयारी थी। इसी दौरान बारातियों के नाश्ते और चाय के लिए डिस्पोजल प्लेट और गिलास कम पड़ गए।

परिजनों ने बताया कि सामान लाने के लिए दुल्हन का छोटा भाई भीम बाइक से गांव की दुकान गया था। लौटते समय खेतों के पास उसकी बाइक अचानक सामने आई भैंस से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टर नहीं मिले: घटना के बाद परिजन उसे तत्काल लवकुशनगर अस्पताल लेकर पहुंचे। परिवार का आरोप है कि उस समय अस्पताल में डॉक्टर मौजूद नहीं थे। करीब एक घंटे तक केवल प्राथमिक उपचार ही मिल सका। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी एंबुलेंस से करीब 65 किमी दूर छतरपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चार बहनों का इकलौता भाई था: भीम परिवार में चार बहनों का इकलौता भाई था। परिवार की एक बड़ी बेटी का पहले ही निधन हो चुका है। हाल ही में उसने कक्षा 10वीं की परीक्षा पास की थी और आगे की पढ़ाई की तैयारी कर रहा था।

खबर मिलते ही शादी की रस्में रोकी गईं: हादसे की खबर मिलते ही शादी की रस्में रोक दी गईं। जिस घर में रातभर शहनाइयां गूंज रही थीं, वहां कुछ ही घंटों बाद सन्नाटा पसर गया। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का कहना है कि समय पर बेहतर इलाज और एंबुलेंस सुविधा मिलती तो शायद भीम की जान बचाई जा सकती थी।

संक्षिप्त समाचार

पति ने पत्नि को बाहर निकालकर लगाई फांसी

भोपाल। शहर के स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र में पति अपनी पत्नि द्वारा शराब पीने से मना करने पर इतना नाराज हुआ की उसने पत्नी को घर से बाहर निकालकर फांसी लगा दी। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। थाना पुलिस के अनुसार मूलत: भिंड का रहने वाला महेंद्र दोहरे पिता शोभरन सिंह दोहरे (27) यहां स्टेशन बजरिया में स्थित बापू कॉलोनी में पत्नि के साथ किराए से रहता था। उसकी शादी करीब 10 साल पहले सपना दोहरे से हुई थी, दंपत्ति के बच्चे नहीं हैं। शिवाजी नगर स्थित छह नंबर बस स्टाप के पास होटल में काम करने वाले महेंद्र दोहरे को शराब पीने की लत थी। उसकी लत के कारण पत्नी सपना दोहरे उसे समझाइश देती थी, जिसके चलते दंपत्ति में आये दिन विवाद होता था। पत्नी ने पुलिस को बताया कि सोमवार की रात भी पति शराब के नशे में घर आया था। पत्नी ने उसका विरोध करते हुए शराब पीने से मना किया। महेंद्र पत्नि के टोकने पर गाली-गलौज करने के बाद फिर शराब पीने चला गया। बाद में वह काफी नशे की हालत में वापस घर आया और पत्नी को घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद कमरे में पत्नी के दुपट्टे से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। काफी देर तक दरवाजा नहीं खोलने पर पत्नि ने दरवाजा पीटते हुए आवाजे लगाई, जिसे सुनकर आसपास के लोग निकलकर आ गए।

दो चाकूबाज गिरफ्तार, धारदार हथियार सहित धराये

भोपाल। पुराने शहर की थाना शाहजहाँनाबाद पुलिस ने दो चाकूबाजो को हथियार सहित गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी थाना शाहजहाँनाबाद उमेश पाल सिंह चौहान से मिली जानकारी के अनुसार रविवार-सोमवार को संदिग्ध वाहन चालको के साथ ही संदिग्ध व्यक्तियो की चेकिंग की जा रही थी। कार्यवाही के दौरान एलबीएस अस्पताल के सामने से उमर सलमान पिता जावेद (34) निवासी आरिफ नगर को रोककर तलाशी ली गई। इस दौरान उसके दो पहिया एक्सिस वाहन मे छुपाकर रखी गई धारदार छूरी बरामद की गई। दूसरी कार्यवाही में टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर ईदगाह हिल्स इलाके में संदिग्ध हालत में खडे आरोपी विजय भार्गव पिता ताराचंद भार्गव (24) निवासी मल्टी ईदगाह हिल्स को छूरी सहित दबोचा है। दोनो आरोपियो के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जॉच में सामने आया की गिरफ्तार आरोपी उमर सलमान के खिलाफ थाना गुनगा मे एक और आरोपी विजय भार्गव के खिलाफ अलग-अलग थानो में 11 अपराधिक प्रकरण पूर्व से दर्ज है।

मेल नर्स का मोबाइल हैक कर 1 लाख निकाले

भोपाल। पिपलानी थाना इलाके में निजी अस्पताल में नौकरी करने वाले मेल नर्स को ठगो ने अपना शिकार बनाते हुए उसका मोबाइल हैक कर खाते से एक लाख की रकम निकाल ली। अनुमान है कि जालसाजो ने एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक कर रिमोट एक्सिस हासिल कर लिया इसके बाद खाते से रकम ट्रांसफर कर ली। पुलिस के मुताबिक रायसेन रोड स्थित एक कॉलोनी में रहने वाले कृष्णा वर्मा (48) ने शिकायती आवेदन देते हुए बताया की वह एक निजी अस्पताल में मेल नर्स हैं।

3 साल बाद पुरुषोत्तम मास में सोमवती अमावस्या का संयोग

भोपाल ■ अमृत दर्शन

3 साल के अंतराल के बाद पुरुषोत्तम मास में सोमवती अमावस्या का विशेष संयोग बन रहा है। 15 जून को उदया तिथि में सोमवती अमावस्या आस्था और श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। सोमवती अमावस्या पर शहर से हजारों लोग मां नर्मदा और शिप्रा में डुबकी लगाने रवाना होंगे, वहीं शहर के मंदिरों, मठों और आश्रमों में अमावस्या के तहत् विशेष अनुष्ठान और तर्पण के आयोजन किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि सनातन परंपरा में अमावस्या तिथि सोमवार को आती है तो इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। इस साल 2026 की पहली सोमवती अमावस्या पुरुषोत्तम मास में पड़ रही है, जिससे इसका आध्यात्मिक महत्व कई गुना बढ़ गया है। ज्योतिषाचार्य पंडित रामचन्द्र शर्मा वैदिक के अनुसार, सोमवती अमावस्या का दिन भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन श्रद्धा और नियमपूर्वक पूजा-पाठ करने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। खासकर सुहागिन महिलाओं के लिए यह व्रत बेहद फलदायी माना गया है।

सोमवती अमावस्या का व्रत करने से अखंड सौभाग्य, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन में खुशहाली का आशीर्वाद मिलता है, साथ ही पितरों की भी कृपा बरसती है। सोमवती अमावस्या पर पीपल के पेड़ की 108 बार परिक्रमा करने का विधान है। परिक्रमा करते समय सूत का धागा लपेटा जाता है। पुरुषोत्तम मास होने के कारण पीपल में भगवान विष्णु का वास और अधिक फलदायी हो जाता है।

इस दिन पितरों के नाम से जल में तिल मिलाकर तर्पण करें और उनके निमित्त गीता का पाठ करें। इससे पितृ प्रसन्न होते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अधिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 14 जून को दोपहर 12 बजकर 19 मिनट से शुरू होगी और 15 जून को सुबह 8 बजकर 23 मिनट तक रहेगी।

उदया तिथि के आधार पर सोमवती अमावस्या का व्रत और पूजा 15 जून, सोमवार को की जाएगी। इस दिन सुबह का समय स्नान, दान और पूजा-पाठ के लिए विशेष रूप से शुभ माना गया है। पुरुषोत्तम मास में पडने वाली सोमवती अमावस्या को बेहद दुर्लभ और पुण्यदायी संयोग माना जाता है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार यह अवसर लगभग तीन वर्ष में एक बार आता है, जब अधिक मास की अमावस्या सोमवार को पड़ती है। इस दिन पितरों के निमित्त तिल, जल और सफेद पुष्प अर्पित कर तर्पण करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। पितृ दोष के प्रभाव कम होते हैं।

कपास पर मंडी फीस की दर 1% से घटाकर 0.5% करने का अनुमोदन

विकास, तकनीकी नवाचार और किसान कल्याण के लिए 13 हजार 800 करोड़ रूपये की स्वीकृति

- **भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की पुनरीक्षित लागत और अतिरिक्त वित्त पोषण के लिए 13,565.84 करोड़ रूपये की स्वीकृति**
- **आई.टी. संवर्ग परामर्श सेवाओं और कार्य के लिए 235 करोड़ 63 लाख रूपये की स्वीकृति**
- **कृषक कल्याण के लिए मंडी शुल्क एक रुपये से 1.50 रुपये किए जाने का निर्णय**

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे, तकनीकी विकास और किसान कल्याण से जुड़े कार्यों के लिए लगभग 13 हजार 800 करोड़ रूपये की स्वीकृति के साथ कई बड़े एवं महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगाई गई है। बैठक में भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की संशोधित कुल लागत और अतिरिक्त वित्त पोषण को मिलाकर 13,565.84 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित राशि की स्वीकृति दी गई। अब भोपाल शहर के यातायात नेटवर्क को बड़ा विस्तार मिलेगा। इसके साथ ही राज्य में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को सुदृढ़ करने के लिए आगामी 5 वर्षों 2026-2031 के लिए आई.टी. संवर्ग परामर्श सेवाओं और कार्य योजना के लिए 235 करोड़ 63 लाख रूपये स्वीकृत किए गए है।

कृषि और व्यापार जगत को गति देने के लिए मंत्रि-परिषद ने कपास पर मंडी फीस की दर को 1% से घटाकर 0.5% करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे स्थानीय जिनिंग मिलों को मजबूती मिलेगी और रोजगार बढ़ेगा। किसान हित में सामान्य मंडी शुल्क को एक रूपये से बढ़ाकर एक रूपये 50 पैसे किया गया है। शुल्क के रूप में प्राप्त होने वाली 500 करोड़ रूपये की अनुमानित अतिरिक्त आय का उपयोग सीधे किसान सड़क निधि और कृषि अनुसंधान के विकास में किया जाएगा। आगामी रबी और खरीफ विपणन सत्रों में फसलों के सुचारू उपार्जन को सुनिश्चित करने के लिए MPSCSC और मार्कफेड को 8,600 करोड़ रूपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति देने की भी बड़ी मंजूरी दी गई है। यह फैसले प्रदेश की आर्थिक और सामाजिक उन्नति की दिशा में सशक्त कदम साबित होंगे।

मंत्रि-परिषद ने भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की मूल लागत 6,941.40 करोड़ में 3,092.22 करोड़ रूपये की अतिरिक्त लागत जोड़कर संशोधित कुल लागत 10,033.62 करोड़ रूपये के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की है। मंत्रि-परिषद ने इसके अतिरिक्त उद्योग के स्वीकृत मानदंडों के अनुसार परियोजना के लिए अतिरिक्त वित्त पोषण के लिए 3,532 करोड़ 22 लाख रूपये की भी स्वीकृति प्रदान की है। इसमें भारत शासन और राज्य शासन द्वारा 995 करोड़ 9 लाख रूपये की अतिरिक्त इक्विटी और केन्द्रीय करों के लिए 84 करोड़ 54 लाख रूपये का अतिरिक्त अधीनस्थ ऋण, वित्तपोषण एजेंसी बैंकों से ऋण निधि के विरुद्ध 1,620 करोड़ 64 लाख रूपये का अतिरिक्त PTA/आंतरिक ऋण, मध्यप्रदेश शासन से भूमि की लागत और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के लिए 138 करोड़ 38 लाख रूपये का अतिरिक्त अधीनस्थ ऋण तथा मध्यप्रदेश शासन से राज्य करों के लिए 446 करोड़ 35 लाख रूपये एवं IDC की लागत के लिए 246 करोड़ 41 लाख रूपये का अतिरिक्त अनुदान शामिल है।

मंत्रि-परिषद ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग अंतर्गत राज्य आई.टी. संवर्ग परामर्श सेवाओं के लिए अनुदान और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य योजना 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की अवधि तक निरंतर संचालन के लिए 235 करोड़ 63 लाख रूपये की स्वीकृति दी है।

रिटायर्ड पुलिसकर्मी और बेटे के साथ पड़ोसी ने परिजनों के साथ की मारपीट

ट्यूबवेल से पानी नहीं देने पर हुआ था विवाद, डंडो से पीटा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

छोला मंदिर थाना इलाके में अपने निर्माणाधीन मकान पर लगे ट्यूबवेल से पड़ोसी को पानी नहीं देने पर गुस्साये पड़ोसी और उसके परिजनों ने मिलकर ने रिटायर्ड पुलिसकर्मी और उनके बेटे के डंडों से जमकर मारपीट कर डाली। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

पुलिस के मुताबिक कैलाश नगर सेमरा निवासी कंचन सिंह (72) मप्र पुलिस से रिटायर्ड हैं। इन दिनो उनका सनराइज गार्डन 80 फीट के पीछे छोला क्षेत्र में मकान बन रहा है। उनके मकान के पड़ोस में राधेश्याम लोधी का मकान भी बन रहा है। कंचन अपने निर्माणधीन मकान के ट्यूबवेल से उन्हें पानी देते थे। लेकिन इन दिनों ट्यूबवेल में पानी कम होने से चार-पांच दिन से राधेश्याम को पानी नहीं दे रहे थे। बीती सात जून की शाम कंचन सिंह और उनका बेटा योगेश सिंह निर्माणाधीन मकान का काम देखने पहुचें थे। उसी दौरान राधेश्याम व जगदीश लोधी से पानी नहीं देने की बात पर कहासूनी हो गई और आरोपी उनसे गाली-गलौच करने लगे। जब उन्होनें गाली देने का विरोध किया तब दोनों ने मारपीट करनी शुरु कर दी। उनके बेटे योगेश ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया तब राधेश्याम लोधी ने डंडे से हमला कर दिया। इस बीच जगदीश लोधी के दो लड़के भी आ गए और वह भी मारपीट करने लगे। हमले में कंचन सिंह और बेटे को गंभीर चोटें आई हैं।

रेस्टोरेंट में हुए विवाद, दो दोस्तों के सिर पर फोड़ी बीयर की बॉटल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

हबीबगंज थाना इलाके में स्थित सात नंबर स्टॉप के पास एक रेस्टोरेंट में दो पक्षों के बीच हुआ विवाद मारपीट तक पहुचं गया। इस दौरान अज्ञात आरोपियों ने वीडियोग्राफर और उसके दोस्त पर बीयर की बोतल से हमला कर घायल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार रविशंकर नगर हबीबगंज निवासी अनूप सिंह कुशवाहा (28) ने पुलिस में की गई शिकायत में बताया की वह वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करता है। बीती 6-7 जून की रात वह सात नंबर स्टॉप स्थित एक रेस्टोरेंट में दोस्तों के साथ खाना खाने गया था। जब वे लोग खाना खाकर रेस्टोरेंट की पहली मंजिल से नीचे आ रहे थे। उसी दौरान वहॉ आये अज्ञात युवको में से एक युवक का अनूप सिंह के साथ मौजूद दोस्त प्रमोद उर्फ सागर से किसी बात को लेकर कहासूनी हो गई थी। बहसबाजी के दौरान प्रमोद ने एक युवक को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद युवक ने फोन कर अपने दो अन्य दोस्तों को वहॉ बुला लिया। उसके दोस्तों के आने पर सभी ने मारपीट करते हुए बीयर की बोतल प्रमोद के सिर पर मारकर उसे घायल कर दिया। इकसे बाद आरोपियों ने फूटी बॉटल से प्रमोद के पेट, चेहरे व हाथ पर भी वार किए। अनूप सिंह पर भी फूटी बोतल से जानलेवा हमला किया। बाद में आरोपी धमकी देकर फरार हो गए। गंभीर घायल प्रमोद व अनूप सिंह को इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियो की पहचान जुटाने के लिये रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

एयर गन से फायरिंग कर बदमाशों ने फैलाई थी दहशत

पुलिस ने गिरफ्तार कर इलाके में निकाला जुलूस

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शाहजहांनाबाद थाना इलाके में स्थित अशोका कालोनी में शुक्रवार देर रात हवाई फायरिंग कर दहशत फैलने वाले दोनो बदमाशो को पुलिस ने गिरफ्तार कर इलाके में उनका जुलूस निकाला। थाना प्रभारी उमेश पाल सिंह चौहान के अनुसार अशोका कालोनी नूर महल निवासी 61 वर्षीय मुस्ताक ने रिर्पोट दर्ज कराते हुए बताया की बीती 5 जून की रात करीब 10.30 बजे वह अपने घर की छत पर पानी की टंकी देखने गये थे। उस समय उन्होनें देखा कि एक स्कूटी पर दो युवक आये और यहॉ रहने वाले सरफराज नामक व्यक्ति के घर के बाहर गेट के सामने रुक गये। इसके बाद दोनो स्कूटी को स्टार्ट कर आगे बढाते हुए तेज आवाज मे गाली-गलौच कर हवा मे फायर करते हुए भागने लगे। भाग रहे बदमाशों की स्कूटी सड़क पर गिर गई थी, लेकिन इससे पहले लोग उन्हें दबोच पाते वे फरार हो गए। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियो के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला कायम कर जॉच शुरु की।

आरोपियो की पहचान जुटाने के लिये टीम ने घटना स्थल के आने जाने वाले रास्तो पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर आरोपियो की पहचान कर मुखबिर की मदद से दोनो आरोपियो भय्यू ऊर्फ आवेश पिता अजीब उर रहमान (23) निवासी इन्द्रानगर थाना टीलाजमाल पुरा और साहिल खान पिता आरिफ खान (22) निवासी राजीव नगर थाना टीलाजमालपुरा को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियो ने बताया की उन्होनें इलाके में दहशत फैलाने के लिय एयर पिस्टल से फायरिंग की थी। उनकी निशानदेही पर घटना मे इस्तेमाल की गई एयर पिस्टल और वाहन जप्त कर लिया गया है। पुलिस ने बताया की आरोपी भैय्यू उर्फ आवेश के खिलाफ अलग-अलग थानो में गंभीर धाराओ के 8 और साहिल के खिलाफ 3 अपराधिक मामले दर्ज है।

शेयर मार्केट और आईपीओ में इंवेस्ट का झासा देकर वृद्ध से एक करोड़ की ठगी

रिटायर्ड शासकीय अधिकारी है पीड़ित

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी में सायबर जालसाजो ने एक वृद्ध को अपने जाल में फंसाते हुए उन्हें शेयर बाजार और आईपीओ में इंवेस्ट करने पर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर एक करोड़ से अधिक की करम ठग ली। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार बरखेड़ी सूरजनगर निवासी 60 वर्षीय लाखन लाल उईके ने लिखित शिकयात करते हुए बताया की वह रिटायर्ड शासकीय अधिकारी हैं।

अप्रैल 2025 में उनके मोबाइल पर वॉट्सएप नंबर पर एक मैसेज आया था।

मैसेज भेजने वाली महिला ने खुद को एक प्रतिष्ठित ट्रेडिंग कंपनी की प्रतिनिधि बताते हुए उन्हें शेयर बाजार में इंवेस्ट संबंधी वॉट्सएप ग्रुप से जोड़ दिया। ग्रुप में शेयर ट्रेडिंग और आइपीओ में निवेश पर प्रतिदिन 10 प्रतिशत तक मुनाफा दिलाने का दावा किया जाता था। थोड़े दिनो तक ग्रुप पर एक्टिविटी देखने के बाद लाखन उईके ने भी रकम इंवेस्ट करने का मन बनाया। इस पर ठगो ने उन्हें एक लिंक भेजकर रजिस्ट्रैशन कराया और मोबाइल में एक ट्रेडिंग एप डाउनलोड कराया।

शुरुआत में उन्होंने एक लाख रुपये जमा किए। एप में उनकी इंवेस्ट रकम पर मोटा मुनाफा दिखने लगा। इसके बाद ठगो ने उन्हें ठगों ने प्री-लिस्टिंग आईपीओ शेयर और बड़ी कंपनियों के शेयर कम कीमत पर उपलब्ध कराने का झांसा देकर निवेश करवाया। अलग-अलग कंपनियों के नाम पर उनसे करोड़ों रुपये जमा कराए गए। बाद में जब फरियादी ने अपना पैसा निकालने का प्रयास किया तब उनसे और रकम जमा करने की मांग की गई। जब उन्होंने संबंधित लोगों से संपर्क करने की कोशिश की, तब उन्हें सारे नंबर बंद मिले। इसके बाद उन्हें ठगी का अहसास हुआ और वो पुलिस के पास पहुचें। शुरुआती जांच में सामने आया है, कि जालसाजो ने ठगी के लिए दर्जनो मोबाइल नंबरों और कई बैंक एकांउट का इस्तेमाल किया है। पुलिस तकनीकी जॉच करते हुए आरोपियो तक पहुचंने का प्रयास कर रही है।

निगम प्रशासन ने दैनिक वेतन पर कार्यरत 114 दैनिक वेतन भोगियों को किया विनियमित

महापौर मालती राय ने विनियमितीकरण प्रमाण पत्र किए भेंट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

महापौर श्रीमती मालती राय ने नगर पालिका कोलार में वर्ष 2006 से वर्ष 2016 तक दैनिक वेतन पर कार्यरत तथा कोलार नगर पालिका का नगर निगम, भोपाल में समविलियन के उपरांत नगर निगम, भोपाल ने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के रूप में सेवा दे रहे 114 कर्मचारियों को विनियमितीकरण प्रमाण पत्र वितरित किए।

महापौर श्रीमती मालती राय ने मंगलवार को निगम मुख्यालय ''अटल भवन'' के सभाकक्ष में विनियमित दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को विनियमितीकरण प्रमाण पत्र वितरित करते हुए विनियमितीकरण की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य एवं जिला भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र यति, जोन अध्यक्षद्वय श्रीमती आरती अनेजा व श्रीमती बृजुला सचान सहित लाभार्थी व अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

60 वर्षीय मामी सास की भांजे दामाद ने जंगल ले जाकर की बेरहमी से हत्या

आरोपी ने ही बताया हत्या का घटनास्थल, चॉदी के कड़े लूटने के लिये उतारा मौत के घाट

- **गमछे से गला घोटंकर की हत्या फिर दोनो पैर और हाथ का पंजा कुल्हाड़ी से काटा**
- **चांदी के कड़े निकालकर हुआ फरार, पॉच दिन बाद मिली सड़ी-गली लाश**
- **पुलिस ने 24 घंटो में ही अंधे कत्ल का राजफाश कर आरोपी को किया गिरफ्तार**

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के देहात क्षेत्र के नजीराबाद थाना इलाके में 60 वर्षीय महिला की बेरहमी हत्या किये जाने के सनसनीखेज अंधे कत्ल का पुलिस ने 24 घंटो में ही राजफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। महिला की हत्या का आरोपी कोई और नहीं बल्कि भांजा दामाद निकला। आरोपी बेटे से मिलाने के बहाने मामी सास को अपने साथ लेकर गया और जंगल में ले जाकर गला दबाकर हत्या करने के बाद उसके दोनों पैर कुल्हाड़ी से काटकर चांदी के कड़े लूट लिए। महिला का हाथ का पंजा भी काटा गया है। मामले में पुलिस ने परिवार वालो की शिकायत और संदेह के आधार पर गॉव में ही रहने वाले आरोपी भांजे दामाद जसमन गुर्जर को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने महिला की हत्या किये जाने का खुलासा करते हुए हत्या का घटनास्थल बताया जिसके बाद पुलिस ने बुरी हालत में महिला की लाश बरामद की।

बेटे से मिलाने के बहाने ले गया और मार डाला: मिली जानकारी के अनुसार बैरसिया क्षेत्र के पथरिया गांव की रहने वाली मृतका बादाम बाई (60) पति पर्वत सिंह घेरलू महिला थीं। उनका बेटा रवि किसी बात से नाराज होकर बीते आठ दिनो से घर नहीं आया था। गॉव में ही रहने वाला जसमन गुर्जर (35) महिला के पति पर्वत सिंह का भांजा दामाद था, उससे उसके बेटे रवि की दोस्ती थी। रिश्तेदारी होने के कारण मृतका बादाम बाई भी जसमन को अच्छे से जानती और उस पर विश्वास करती थी। बीती 4 जून को जसमन गुर्जर ने मामी सास बादाम बाई से उनके बेटे रवि से मिलवाने की बात कही। उस पर भरोसा करते हुए वह बेटे से मिलने को तैयार हो गई। जसंवत उन्हें बाइक पर बैठाकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद बादामी बाई वापस नहीं लौटी और काफी खोजबीन के बाद भी उनकी कोई जानकारी नहीं लगी। परेशान होकर दो दिन बाद 6 जून को परिजनों ने बैरसिया थाने में महिला की गुमशुदगी दर्ज करवाई। वही उनके पति पर्वत सिंह ने भांजे दामाद जसमन गुर्जर पर संदेह जताया। पुलिस ने संदेही जसंवत की तलाश करते हुए उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की।

बुरी हालत में मिली लाश, दोनो पैर और हाथ का पंजा कटा था: पुलिसिया अंदाज में हुई पूछताछ में जसमन ने अपनी मामी सास बादामी बाई की हत्या का खुलासा करते हुए बताया की उसकी लाश शेषापुरा के जंगल में पड़ी है। इसके बाद पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। टीम ने शेषापुरा के जंगल में महुए के पेड़ के नीचे से महिला का शव बरामद किया। शव करीब चार-पांच दिन पुराना होने के कारण सड़-गल चुका थ, उसमें कीड़े पड़ चुके थे। वहीं महिला के दोनों पैर टखनों के पास से कटे हुए थे, और एक हाथ का पंजा भी गायब था। पैरों में पहने चांदी के गायब थे।

गला दबाकर की हत्या, फिर कुल्हाड़ी से काटा: जसमन गुर्जर ने आगे बताया कि वह बहाने से बादामी बाई को ग्राम पथरिया से बाइक पर बैठाकर शेषापुरा के जंगल में ले गया था। मामी सास के पैरों में पहने चांदी के कड़ों के लालच में उसने पहले अपने गमछे से उसका गला कसते हुए उसकी हत्या की।

महिला, बेटे और देवर पर हमला करने वाले सगे भाईयो को दो साल की जेल

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत में अपर सत्र न्यायाधीश जयंत शर्मा की कोर्ट ने आपसी रंजिश पर महिला उसके देवर और उसके बेटे पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रुप से घायल करने के मामले के आरोपी सगे भाइयों अमर उंटवाल (46), रानू उंटवाल (38) और आकाश उंटवाल (33) निवासी नेहरू कॉलोनी भोपाल को सुनवाई पूरी होने पर दोषी करार देते हुए दो साल की कैद सहित दो-दो हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। मिली जानकारी के अनुसार 31 जनवरी 2022 की रात 10:30 बजे फरियादिया हेमलता धनवार देवर कमलेश पाथरे और बेटे यश के साथ खाना खाकर घर के पास टहल रहे थे। उसी समय आपसी रंजिश के चलते आरोपियों ने तीनों पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया था।

अनमोल वचन

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।
चाणक्य

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
धीरूभाई अंबानी

सम्पादकीय

1948 के राजनीति की झलक 2026 में

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जो अभिनेता से नेता बने थलापति विजय ने तमिलनाडु की राजनीति में नई शुरुआत की है। 1948 से 1952 में जिस तरह की राजनीति देश में हो रही थी, उसकी यादों को ताजा कर रही है। तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवीके को कांग्रेस ने समर्थन दिया है। तमिलनाडु सरकार में कांग्रेस पार्टी का एक मंत्री भी है। तमिलनाडु में कांग्रेस का कोई विशेष वर्चस्व नहीं है। केंद्रीय राजनीति में कांग्रेस एक महत्वपूर्ण भूमिका में है। आज भी कांग्रेस पार्टी का सीधा मुकाबला 300 लोकसभा सीटों पर भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के साथ होता है। वर्तमान की राजनीति में जिस तरह से राजनीतिक दलों के बीच में वैमनष्य देखने को मिलता है, जिस तरह की असुरक्षा की भावना देखने को मिलती है। सत्ता में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता मिले इसके लिए राजनीतिक दल हर संभव प्रयास करते हैं इसके विपरीत तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने राज्यसभा की दो सीटें सहयोगी दल कांग्रेस को देने का फैसला किया है। उनका मानना है, उनकी पार्टी केंद्र की राजनीति में कांग्रेस के साथ सहयोग करके तमिलनाडु के हितों का संरक्षण ज्यादा अच्छे तरीके से कर सकती है। दो सांसद उनकी पार्टी के राज्यसभा में चले भी गए, तो वह तमिलनाडु का पक्ष सशक्त तरीके से नहीं रख सकते हैं जितने सशक्त तरीके से कांग्रेस उनकी लड़ाई केंद्र में लोकसभा और राज्यसभा में लड़ सकती है। गठबंधन की राजनीति में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का यह निर्णय, स्वतंत्रता के पश्चात अनूठा है। जब संविधान सभा और केंद्रीय मंत्रिमंडल का निर्माण हो रहा था, उस समय कांग्रेस पार्टी ने सभी समुदाय और सभी राजनीतिक दलों के लोगों को संविधान सभा और मंत्रिमंडल में स्थान देकर मजबूत संविधान और मजबूत सरकार बनाने का काम किया था। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने मंत्रिमंडल में अपने विरोधी और अन्य विचारधारा के लोगों को भी शामिल करके स्वतंत्रता के पश्चात समन्वय की राजनीति का मार्ग अपनाया था। वही मार्ग 2026 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा अपनाया गया है। वर्तमान में एनडीए गठबंधन और इंडिया गठबंधन के रूप में देश के अधिकांश राजनीतिक दल गठबंधन की राजनीति में शामिल हैं। क्षेत्रीय दल एक-एक सीट के लिए अपनी मजबूत दावेदारी रखते हैं। ऐसी स्थिति में तमिलनाडु की राजनीति में मुख्यमंत्री थलापति विजय ने कांग्रेस को राज्यसभा की रिक्त दो सीटें देकर गठबंधन की राजनीति को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है। राज्य की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का बहुत बड़ा योगदान होता है। क्षेत्रीय राजनीति में भाषा संस्कृति तथा आम जनता के साथ उनका जुड़ाव गहरा होता है। लेकिन केंद्रीय राजनीति में राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार को निर्णय करने पड़ते हैं। संघीय व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्यों के बीच संबंध बेहतर हों। पिछले एक दशक में इस स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। मोदी सरकार के अस्तित्व में आते ही योजना मंडल को भंग कर दिया गया था। उसके स्थान पर नीति आयोग बनाया गया, नीति आयोग जिस तरीके से काम कर रहा है। उसके बाद से राज्य सरकारें आरोप लगाती रही हैं, केंद्र सरकार उनके साथ न्याय नहीं कर रही है। मनमाने तरीके से संसाधन और धन का बंटवारा किया जा रहा है। जिन राज्यों में गैर भाजपा की सरकारें हैं उनके साथ भेदभाव की शिकायत बढ़ती चली जा रही है। जिस तरह से जाति और धर्म के आधार पर राजनीति हो रही है, उसमें राज्यों के साथ केंद्र सरकार की दूरियां बढ़ रही है। रही सही कसर राज्यपालों ने पूरी कर दी है। राज्य विधानसभा द्वारा लिए गए निर्णय और कानूनों का पालन राज्यपाल नहीं होने देते हैं। एक समानांतर सत्ता राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच में गैर भाजपाई शासित राज्यों में देखने को मिलती है। ऐसी स्थिति में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने भारतीय राजनीति में एक बार फिर दशकों पुरानी राजनीति को स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। अपने सहयोगी दल कांग्रेस, जो केंद्र में एक प्रभावी भूमिका में है, उस पार्टी को राज्यसभा की 2 रिक्त सीट देकर, स्वार्थ की राजनीति से इतर विश्वास का नया मार्ग चुना है। उसकी सारे देश में अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। क्षेत्रीय दल 1990 के दशक के बाद से महत्वपूर्ण भूमिका में आये हुए हैं। केंद्रीय राजनीति में जो भूमिका क्षेत्रीय दलों की होनी चाहिए थी, उसका स्थान सीमित होकर रह गया है। तमिलनाडु से अब बदलाव की एक बयार बही है। अपने सहयोगी दल कांग्रेस पर जो विश्वास मुख्यमंत्री ने किया है उस विश्वास पर कांग्रेस सही उतरे। डीएमके और अन्ना डीएमके का पिछले पांच दशक से मजबूती के साथ तमिलनाडु की राजनीति में वर्चस्व था। बहुत समय के बाद अभिनेता से राजनेता बने विजय तमिलनाडु की जनता के विश्वास का केंद्र बने हैं। कांग्रेस राष्ट्रीय विचारधारा का पोषण करती है, सभी पक्षों को साथ लेकर चलती है। ऐसी स्थिति में तमिलनाडु से जो परिवर्तन देखने को मिल रहा है वह भारत की राजनीति को एक नई दिशा दे सकता है। इस बात की संभावनाएं बनी हैं। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है। क्षेत्रीय दल इंडिया गठबंधन में शामिल है। गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों को भाजपा से लड़ना है। इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दल भाजपा के स्थान पर कांग्रेस से ज्यादा लड़ते हुए नजर आते हैं। तमिलनाडु की राजनीति में डीएमके के साथ कांग्रेस राजनीति कर रही थी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। विजय की पार्टी को सबसे ज्यादा सीटों पर विजय प्राप्त हुई । गैर भाजपा की सरकार बनाने के लिए कांग्रेस ने उन्हें समर्थन दिया। इससे डीएमके नाराज हो गई। कांग्रेस के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था। कांग्रेस विजय को समर्थन नहीं देती ऐसी स्थिति में भाजपा वहां अन्ना डीएमके के साथ मिलकर एनडीए की सरकार बनाना चाहती थी। स्टालिन को यह बात समझनी चाहिए। राजनीति में बहुत सारे निर्णय समय और परिस्थिति को देखकर लिए जाते हैं। जिस तरह से स्टालिन ने इंडिया गठबंधन से दूरी बनाई है, इससे ऐसा लगता है कि क्षेत्रीय राजनीति में स्टालिन विजय से डरे हुए हैं। तमिलनाडु की राजनीति को ध्यान में रखते हुए स्टालिन ने इंडिया गठबंधन से दूरी बनाकर एक बड़ी राजनीतिक गलती की है। यही कहा जा सकता है।

चिंतन-मनन

सच्चे साधु की पहचान

महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों को दीक्षा देने के बाद कहा,तुम जहां भी जाओगे, वहां तुम्हें अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के लोग मिलेंगे। अच्छे लोग तुम्हारी बातें सुनेंगे और सहायता करेंगे। बुरे लोग तुम्हारी निंदा करेंगे और गालियां देंगे। तब तुम्हें कैसा लगेगा? एक गुणी शिष्य ने कहा,मैं किसी को बुरा नहीं समझता। कोई मेरी निंदा करेगा या मुझे गालियां देगा तो मैं समझूंगा कि वह भला व्यक्ति है क्योंकि उसने मुझे सिर्फ गालियां ही दीं, मुझ पर धूल तो नहीं फेंकी। बुद्ध ने पूछा,और यदि कोई तुम पर धूल फेंक दे तो? मैं उसे भला ही कहूंगा क्योंकि उसने धूल ही तो फेंकी, थप्पड़ तो नहीं मारा। और यदि कोई थप्पड़ मार दे तो क्या करोगे?मैं उन्हें बुरा नहीं कहूंगा क्योंकि उन्होंने मुझे थप्पड़ ही मारा, डंडा तो नहीं मारा। और कोई डंडा मार दे तो? मैं उसे धन्यवाद दूंगा क्योंकि उसने मुझे केवल डंडे से ही मारा, हथियार से नहीं ।लेकिन मार्ग में तुम्हें डाकू भी मिल सकते हैं जो तुम पर घातक हथियार से प्रहार कर सकते हैं। तो क्या? मैं तो उन्हें दयालु ही समझूंगा, क्योंकि वे मारते ही हैं, मार नहीं डालते और यदि वे तुम्हें मार ही डालें तो? शिष्य बोला,इस जीवन और संसार में केवल दुख ही है। जितना अधिक जीवित रहूंगा उतना दुख देखना पड़ेगा। जीवन से मुक्ति के लिए आत्महत्या करना तो महापाप है। शिष्य के वचन सुनकर बुद्ध बोले-तुम धन्य हो। वास्तव में तुम सच्चे साधु हो। सच्चा साधु किसी भी दशा में दूसरे को बुरा नहीं समझता। जो दूसरों में बुराई नहीं देखता, वही सच्चा परिव्राजक होने के योग्य है। मुझे विश्वास है तुम सदैव धर्म के मार्ग पर चलोगे।

राम नाथ कोविंद

नेहरू की भारत की 'खोज' से मोदी के भारत में 'विश्वास' तक

> *राजनीतिक विमर्श के क्षेत्र में, डॉ. अंबेडकर ने 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में अपने समापन भाषण में ऐतिहासिक और विद्वतापूर्ण वक्तव्य दिया था कि संसदीय लोकतंत्र के तत्व बौद्ध संस्थाओं में पाए जाते हैं, जो दो हजार पांच सौ साल पुराने हैं। उन बौद्ध संस्थाओं ने उस समय प्रचलित राजनीतिक संस्थाओं से लोकतांत्रिक प्रथाओं को अपनाया होगा। इस संबोधन के बावजूद हमारे छात्रों और न्यायविदों को यह विश्वास कराया गया कि हमारा लोकतंत्र पश्चिमी देशों से लिया गया है। पीएम मोदी वैश्विक मंचों पर यह कहते रहे हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है।*

स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद भारतीय इतिहास में 10 जून, 2026एक विशेष अवसर को रेखांकित करता है। इस तारीख को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जवाहरलाल नेहरू को पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया। इस बात का अपने आप में एक ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन पीएम मोदी का नेहरू से लंबा कार्यकाल,आज़ादी के बाद के भारत के इस निर्णायक कालखंड के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को नहीं दर्शाता है।

26 मई, 2014 से, भारतीय राजनीति में एक निर्णायक बदलाव आया, जो महात्मा गांधी, सरदार पटेल, बाबासाहेब अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी, के.एम. मुंशी और आधुनिक भारत के कई अन्य निर्माताओं द्वारा समर्थित भारतीयत्व की दिशा में है, जिन्होंने अपनी धरोहर और विरासत पर आत्मगौरव की गहरी भावना के साथप्राचीन भारतीय संस्कृति और सभ्यता की पुनर्कल्पना की थी। आर्थिक विकास के क्षेत्र में, पीएम मोदी ने समावेश के साथ राजाजी के मॉडल को आगे बढ़ाया है। जैसा कि हम जानते हैं, राजाजी ने नेहरूकी राजनीतिक अर्थव्यवस्था से जुड़े 'आदेश और नियंत्रण' मॉडल की कड़ी आलोचना की थी, जिसके परिणामस्वरूप 'कोटा, परमिट और लाइसेंस राज'पैदा हुआ था।

राजनीतिक विमर्श के क्षेत्र में, डॉ. अंबेडकर ने 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में अपने समापन भाषण में ऐतिहासिक और विद्वतापूर्ण वक्तव्य दिया था कि संसदीय लोकतंत्र के तत्व बौद्ध संस्थाओं में पाए जाते हैं, जो दो हजार पांच सौ साल पुराने हैं। उन बौद्ध संस्थाओं ने उस समय प्रचलित राजनीतिक संस्थाओं से लोकतांत्रिक प्रथाओं को अपनाया होगा। इस संबोधन के बावजूद हमारे छात्रों और न्यायविदों को यह विश्वास कराया गया कि हमारा लोकतंत्र पश्चिमी देशों से लिया गया है। पीएम मोदी वैश्विक मंचों पर यह कहते रहे हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है। उन्होंने विभिन्न अवसरों पर प्राचीन भारतीय लोकतांत्रिक लोकाचारों और प्रथाओं का उल्लेख किया है। विश्व इस तथ्य के प्रति जागरूक हो रहा है कि भारत न केवल सबसे प्राचीन है,बल्कि सबसे बड़ा और सबसे जीवंत लोकतंत्र भी है।

भारत के लगभग 100 करोड़ मतदाताओं का विशाल आकार शेष दुनिया के लिए एक चकित करने वाली परिघटना है। इसके साथ ही, मतदाताओं की संख्या आज़ादी के समय की भारत की कुल आबादी से लगभग तीन गुनी ज़्यादा हो गयी है।इस विशाल आकार के साथ चुनावी व्यवस्था की बढ़ती जटिलता भी जुड़ गई है। 2024 के आम चुनाव में 744 राजनीतिक दलों ने भाग लिया, जबकि 1951-52 के आम चुनाव में केवल 53 दलों ने हिस्सा लिया था। जवाहरलाल नेहरू के समय की तुलना में लोगों की आकांक्षाएं और निगरानी गुणात्मक रूप से बढ़ गई है। ऐसी बढ़ती उम्मीदों के अनुसार खुद को साबित करना और लोगों के साथ विश्वास का मजबूत संबंध बनाए रखना प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण सफलता है, जिनकी स्वीकृति दर लगातार ऊंची रही है, जबकि जवाहरलाल नेहरू को अपने कार्यकाल के दौरान अपने कद और लोकप्रियता में भारी गिरावट देखना पड़ा था।1950 और 1960 के दशकों के दौरान और यहां तक कि 1970 तक, दुनिया भर में कई लोकतांत्रिक रूप से चुने गए राजनेताओं का कार्यकाल लंबा रहा था। 21वीं सदी की दुनिया में राजनीतिक नेताओं का कार्यकाल अपेक्षाकृत छोटा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी इस वैश्विक रुझान के एक अपवाद रहे हैं। सही कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति सशक्त और सम्माननीय नहीं बन सकता, यदि उसमें आत्मसम्मान की कमी है। भारत की गाथा में कई शताब्दियों से सभ्यतागत और सांस्कृतिक उत्कृष्टता समाहित रही है। हालांकि, औपनिवेशिक शासकों द्वारा देशवासियों में डाली गई हीनता की भावना स्वतंत्रता के बाद भी जारी रही। स्वतंत्रता के बाद भी कई औपनिवेशिक प्रथाएं निरंतर जारी रहीं और यहां तक कि उनका महिमामंडन भी होता रहा। एक छोटा-सा अभिजात्य समुदाय बनाया गया, जिसने थॉमस बैबिंगटन मैकॉले के विचारों और आदर्शों को कायम रखा। स्वतंत्रता के बाद के दशकों में अंग्रेजी को शक्ति की भाषा के रूप में बढ़ावा दिया गया। नेहरू युग और उसके तत्काल बाद के समय में भारत की अधिकांश चीजों को लेकर अभिजात्य वर्ग में शर्मिंदगी की भावना देखने को मिली। भारतीय भाषाओं में बोलने, काम करने या अपने विचार व्यक्त करने वाले लोगों को नीची नजर से देखा जाता था। प्राचीन भारतीय परंपराओं में निहित सांस्कृतिक प्रथाओं और प्रतीकों की उपेक्षा की गई और विदेशी भूमि में विकसित विचारधाराओं और प्रथाओं को स्वीकार किया गया।भारतीय परंपराओं की जैविक निरंतरता और विकास की कमी के कारण आत्मविश्वास और नवाचार की कमी हुई। पीएम मोदी ने भारतीय भाषाओं, प्रणालियों, प्रतीकों और विश्वास प्रणालियों को सामने रखा। लोगों में भारतीय होने और भारतीयता व्यक्त करने मेंगर्व की भावना दिखाई पड़ती है। कई देशों की मेरी यात्राओं के दौरान, भारतीय मूल के कई लोगों ने मेरे साथ गर्व की इस नई भावना को साझा किया। अंग्रेजी भाषा के एक प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने मानसिक उपनिवेशवाद को 2035 तक समाप्त करने के लक्ष्य की बात कही। नवंबर 2025 में आयोजित इस कार्यक्रम में, पीएम मोदी ने भारत के लोगों से मैकाले की विरासत में निहित औपनिवेशिक मानसिकता का त्यागकरने के लिए 10 साल की राष्ट्रीय प्रतिज्ञा लेने का आग्रह किया। उन्होंने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि भारत केवल एक उभरता हुआ बाजार नहीं है, यह एक आत्मविश्वासी नए मॉडल के रूप में उभर रहा है।

स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद देश के पहले दशक और पिछले 12 वर्षों के बीच का अंतर एक बड़े बदलाव से परिलक्षित होता है। नेहरू काल की विशेषता सांस्कृतिक और आर्थिक स्तर पर पश्चिम से मंज़ूरीऔर सहायता पाने की उत्सुकता थी। मोदी के वर्षों की विशेषता एक मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था में आत्मविश्वास है, जो गंभीर वैश्विक व्यवधानों का सामना करने में सक्षम है। मोदी युग की विशेषता यह भी है कि लोगों में भारतीय भाषाओं, सांस्कृतिक प्रतीकों, मूल्यों और परंपराओं के प्रति गर्व की मजबूत भावना है।

एक युवा लेकिन बहुत जानकार लड़के, जो इत्तेफ़ाक से हमारा रिश्तेदार है, ने एक बयान दिया, जो उसकी तीव्र बुद्धि और उसकी पीढ़ी के सोच को दर्शाता है ।उसने मुझसे कहा कि मैं नेहरू के भारत में बड़ा हुआ हूँ, लेकिन मोदी के भारत में विकास कर रहा हूँ। लड़के ने यह भी मुझे समझाया कि उसकी पीढ़ी इस कारण बेहतर स्थिति में है।

(लेखक भारत के पूर्व राष्ट्रपति हैं।)

मोदी ने बदला राजनीति का व्याकरण शासन में एक और नया रिकॉर्ड बनाते हुए

अजय सिंह

> *उस समय के पारंपरिक राजनेताओं के उलट, उनके पास समर्थन करने के लिए कोई राजनीतिक या अभिजात्य पृष्ठभूमि नहीं थी। हैरो, ऑक्सफोर्ड, कोलंबिया या हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालयों से पढ़े-लिखे छात्रों के विशिष्ट समूह विश्व भर में सम्मान की दृष्टि से देखे जाते थे। सर विंस्टन चर्चिल और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को 'हैरो बॉयज़' के नाम से जाना जाता था। वे एक ही भाषा बोलते थे और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अभिजात वर्ग के समान सौहार्द साझा करते थे।*

जब नरेंद्र मोदी देश के सबसे लंबे समय तक लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री बनेंगे, तो यह महज़ एक उपलब्धि या कार्यकाल की रिकॉर्ड अवधि को पार करने से कहीं अधिक होगा। समय की भावना को मात्र आंकड़ों में नहीं समेटा जा सकता और इसी लिहाज़ से वे भारत की प्रतिभा का प्रतीक हैं। अपने सार्वजनिक जीवन में उन्होंने साधारण से असाधारण होने तक का सफर तय किया है। उनकी यात्रा एक साधारण आरएसएस कार्यकर्ता के रूप में शुरू हुई, जिन्होंने संघ परिवार से प्रेरणा ली। 1950 और 60 के दशक में, उन्होंने एक ऐसी विचारधारा का समर्थन किया, जो उस समय उनके गृह राज्य गुजरात में सबसे कम प्रचलित थी। उस समय के पारंपरिक राजनेताओं के उलट, उनके पास समर्थन करने के लिए कोई राजनीतिक या अभिजात्य पृष्ठभूमि नहीं थी। हैरो, ऑक्सफोर्ड, कोलंबिया या हार्वर्ड जैसे विश्वविद्यालयों से पढ़े-लिखे छात्रों के विशिष्ट समूह विश्व भर में सम्मान की दृष्टि से देखे जाते थे। सर विंस्टन चर्चिल और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को 'हैरो बॉयज़' के नाम से जाना जाता था। वे एक ही भाषा बोलते थे और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अभिजात वर्ग के समान सौहार्द साझा करते थे। मोदी इन सभी विचारधाराओं को पूरी तरह से गलत साबित करते हैं।

देश भर के आम लोगों से बातचीत करके उन्होंने जो जमीनी अनुभव हासिल किया, उससे उन्हें भारत के समाज, लोगों की चिंताओं और आकांक्षाओं की असाधारण समझ मिली। उन्होंने पेशे के तौर पर राजनीति को चुना और इसे अपने वैचारिक लक्ष्य के अनुरूप ढाला। उनके इस मिशन में उनकी दो ताकतवर खूबियों ने उनकी बहुत मदद की, व्यक्तिगत जीवन में उनका संयम और सार्वजनिक आचरण में उनका व्यावहारिक दृष्टिकोण।

वे विरोधाभासों को बड़ी सहजता से संभालते हैं। उदाहरण के लिए, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल में, मोदी ने सब्सिडी पर निर्भर न रहने वाले विकास मॉडल को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने महामारी के प्रकोप के बाद देश को भुखमरी से बचाने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम शुरू किया। उनकी सामाजिक आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी बीमा योजनाएं समाज के सबसे कमजोर वर्गों को कवर करती हैं और लोगों की सबसे जरूरी चिंताओं- रोटी, कपड़ा और मकान, साथ ही स्वास्थ्य का भी समाधान करती हैं। इन चिंताओं को 1960 के दशक की शुरुआत से लेकर हाल तक समाजवादियों ने राजनीतिक नारों के रूप में प्रचारित किया। आज के भारत में, ऐसे नारे व्यावहारिक रूप से अप्रासंगिक हो गए हैं।

दरअसल, मोदी ने देश की राजनीति को एक बिल्कुल नए ढंग से परिभाषित किया है। दशकों से देश को परेशान करने वाले मुद्दे अब इतिहास के पाठ्यक्रम का हिस्सा बन चुके हैं। वर्तमान में अयोध्या अब एक भव्य मंदिर की छवि प्रस्तुत करता है, न कि मंदिर-मस्जिद विवाद के स्थल की। देश भर में हिंदू मंदिरों का उनके प्राचीन वैभव में जीर्णोद्धार, सांस्कृतिक एकता का सशक्त संदेश देता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि इस जीर्णोद्धार का सपना महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद देश के दौरे के दौरान देखा था। कांग्रेस में गांधी के अनुयायियों ने उन्हें निराश किया, लेकिन मोदी ने उस सपने को साकार किया।

जम्मू और कश्मीर की स्थिति देश की आजादी के बाद से ही एक नासूर की तरह बनी हुई थी। राजनीतिक अनिश्चितता ने मुस्लिम बहुल घाटी में अलगाववाद और उग्रवाद को बढ़ावा दिया। 2014 से पहले, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने कई प्रस्ताव पारित किए, जिनमें राज्य को 1953 से पहले की स्थिति में बहाल करने की मांग की गई थी, जो भारतीय संविधान के दायरे से बाहर था। एक झटके में, राज्य को दो भागों में बांटकर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया, जिससे अनुच्छेद 370 अतीत का एक अप्रासंगिक अवशेष बन गया। और इस तरह अलगाववाद का भूत झेलम नदी में गाद की तरह गहराई में दफन हो गया। इस क्षेत्र के लोगों में राष्ट्र के शेष भाग के साथ पूर्ण और बिना शर्त एकीकरण की गहरी इच्छा है। यही बात उत्तर-पूर्वी राज्यों पर भी लागू होती है, जो कुछ समय पहले तक उग्रवाद और हिंसा से ग्रस्त थे।

ऐसा लगता है कि मोदी ने अनजाने में ही गणित का एक सबक सीख लिया है: आप उस मानसिकता से समस्या का समाधान नहीं कर सकते, जिसने उसे जन्म दिया है। उन्होंने देश की राजनीतिक सोच को पूरी तरह बदल दिया और उसे एक अपरिवर्तनीय राह पर डाल दिया। सार्वजनिक जीवन के संचालन में इस तरह के बड़े बदलावों से तीव्र प्रतिक्रियाएँ आना स्वाभाविक है। यही वजह है कि मोदी को प्रशंसा से अधिक अक्सर आलोचनाएँ मिलती हैं। लेकिन वे अपने संकल्पों पर अडिग और दृढ़ बने हुए हैं।

अपने 24 वर्षों के शासनकाल में, पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और बाद में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में, मोदी ने अभूतपूर्व संकटों की पूरी श्रृंखला का सामना किया है, जो प्राकृतिक और राजनीतिक दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण थे। गुजरात में कार्यपालिका प्रमुख के रूप में उनके 13 वर्षों के कार्यकाल में उन्हें एक दशक (2004-2014) तक यूपीए की शत्रुतापूर्ण केंद्र सरकार का सामना करना पड़ा, जिसने राज्य को लगभग एक विरोधी के रूप में माना। उन्हें मनगढ़ंत आपराधिक मामलों में फंसाने के लिए सुनियोजित प्रयास किए गए। इसी तरह, प्रधानमंत्री के रूप में उनके वर्तमान कार्यकाल में मानव इतिहास के सबसे भीषण संकटों में से एक, महामारी का सामना करना पड़ा।

नरेन्द्र मोदी का युग

सुहेल सेठ

नरेन्द्र मोदी अनजाने में ही रॉबर्ट फ्रॉस्ट के इस कथनपर भरोसा करते नजर आते हैं कि- उन्होंने कम इस्तेमाल होने वाला रास्ता चुना और शायद इसी से सारा फर्क पड़ा। जवाहरलाल नेहरू और नरेन्द्र मोदी के रूप में भारत के प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व के दो अलग-अलग युगों काप्रतिनिधित्व होता है।इनमें से प्रत्येक युग को उनकी सीमाओं, पसंदगियों और महत्वाकांक्षाओं के आधार पर परिभाषित किया जाता है।नेहरू ने जहां एक नाजुक एवंनवगठित संप्रभु राष्ट्र की अगुवाई की, वहींमोदी ने वैश्विक झटकों से जूझते हुए एक विशाल, डिजिटल रूप से जुड़े एवंअति-प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र केशासन को संभाला है। दोनों नेताओं की नेतृत्व शैली मेंअंतर इस तथ्य को दर्शाता है कि भारत की शासन संबंधी जरूरतें किस कदर बढ़ी हैं - और क्यों मोदी का कार्यकाल राज्य की क्षमता, समावेशन, बुनियादी ढांचे, कूटनीति और कार्यान्वयन की दृष्टि से कहीं अधिक प्रभावशाली रहा है। नेहरू का शासन संबंधी दर्शन ऊपर से नीचे की ओर संस्थाओं के निर्माण और राज्य-निर्देशित अर्थव्यवस्था पर केन्द्रित था।विभाजन की विभीषिका के बाद खुद को सहेजकर फिर सेएकजुट होने वाले एक राष्ट्र की दृष्टि से यह तरीका सही था।फिर भी, इस तरीके ने एक ऐसे केन्द्रीकृत नियंत्रण को भी स्थापित किया जिसने अक्सर नागरिकों को भागीदार के बजाय प्राप्तकर्ता के रूप में रखा। मोदी का दृष्टिकोण उस तरीके को उलट देता है और शासन को गरिमा एवंकार्यान्वयन द्वारा संचालित एक जन आंदोलन - 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' - के रूप में स्थापित करता है।बैंक खातों, डीबीटी, किफायती गैस कनेक्शन, आवास, शौचालय, तेज गति से सड़क निर्माण और डिजिटल कल्याणकारी योजनाओं जैसी नीचे से ऊपर की ओर जाने वाली यह लामबंदीराज्य से मिलने वाले फायदों को परिवार के स्तर पर दृश्यमान बनाती है, जिससे परिणामों के साथ-साथ भरोसा भी बढ़ता है। आकार ही दोनों नेताओं के कार्यकालों के बीच का मुख्य अंतर है।नेहरू ने जिस समय पदभार संभाला तब भारत की आबादी लगभग 34 करोड़ और दलीय प्रतिस्पर्धा नगण्य थी।मोदी के सत्ता संभालने के वक्त देश की आबादी 131 करोड़ से अधिक और एक ऐसी दलीय प्रणाली सामने थी जिसमें हजारों पंजीकृत संस्थाओं का अस्तित्व था और आम चुनाव के मतपत्रों में सैकड़ों संस्थाओं की मौजूदगी थी।भारत के पहले आम चुनाव में लगभग 17 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया था। जबकि,2014 में मतदाताओं की तादाद 83 करोड़ से अधिक हो गई थी तथा 2024 तक इसमें और भी बढ़ोतरी हुई। मोदी को बार-बार राष्ट्रीय जनादेश इस तीखे विखराव और चौबीसों घंटे सातों दिन डिजिटल निगरानी के बावजूद हासिल हुए हैं।पल-पल की डिजिटल निगरानी वाला मीडिया का यह माहौल नेहरू काल कीसंस्था-आधारित वप्रिंट-युग की राजनीति से बिल्कुल ही अलग है।निरंतर ऑनलाइन आलोचनाओं के बीच शासन चलाने से जवाबदेही और कथनात्मक प्रतिस्पर्धा की गति तेज हो जाती है। तीन लोकसभा चुनावों के दौरान मोदी का चुनावी रूप से केन्द्र में बने रहना - और कई परिवारों के तीन पीढ़ियों के जेहन मेंप्रासंगिक बने रहना - नेटवर्क के इस युग में उनकी असाधारण राजनीतिक स्थिरता को दर्शाता है। आर्थिक दृष्टि से, नेहरू के मॉडल ने आधारभूत उद्योगों और वैज्ञानिक संस्थानों को तराशा, लेकिन आखिरकार यह 3 - 4 प्रतिशत के आसपास की 'हिंदू विकास दर' के रूप में जानी जाने वाली दर पर स्थिर हो गया।मोदी की अगुवाई वाला भारत वैश्विक विकास के इंजन के रूप में काम कर रहा है।

खास बात

ममता को भाजपा ने गंभीरता से लिया

जब विधानसभा के चुनाव चल रहे थे ।उस समय ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को चेतावनी दी थी। चुनाव के बाद वह दिल्ली की सत्ता से मोदी- साह को सत्ता से बाहर करेंगी.उनकी चेतावनी को भाजपा ने गंभीरता से लिया। जैसे ही विधानसभा का चुनाव खत्म हुआ। उसके बाद केंद्र सरकार ने वहां पर 2 लाख से अधिक केंद्रीय सुरक्षा बल के जवानों को तैनात कर ममता बनर्जी की पार्टी को ही खत्म करने का काम शुरू कर दिया है। जनता के नाम पर भाजपा के कार्यकर्ता टीएमसी के नेताओं को पीट रहे हैं। ममता बनर्जी को अब समझ में नहीं आ रहा है। वह अपने आप को कैसे बचाएं। राजनीति में इस तरह की धमकी खुलेआम तभी दी जाती है।

मानसून सत्र के पहले की महाभारत

अगले महीने मानसून सत्र शुरू हो जाएगा। मानसून सत्र में विपक्ष सरकार के लिए कोई खतरा बने, इसके पहले ही सरकार ने विपक्षी दलों की घेराबंदी करना शुरू कर दी है। इसे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच की महाभारत की संज्ञा दी जा रही है। टीएमसी के सांसदों को तोड़ने के लिए भाजपा ने अपना जाल फैला दिया है। एक-एक करके टीएमसी के सांसद भाजपा के जाल में फंसते चले जा रहे हैं। कहा जा रहा है, लोकसभा और राज्यसभा के लगभग 33 सांसद भाजपा के जाल में फसने जा रहे हैं। केंद्र सरकार में मोदी शाह की जोड़ी कोई भी रिस्क लेने तैयार नहीं है। तमिलनाडु में डीएमके को इंडिया गठबंधन से अलग कर दिया है। आम आदमी पार्टी के सांसद पहले ही तोड़ लिए गए हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार ने अपने आप को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने का काम कर लिया है। 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी बने रहेंगे। अब इसमें कोई शंका नहीं रहेगी। नरेंद्र मोदी शतायु होंगे यह विश्वास बीजेपी के नेताओं को है।

एक साथ सैकड़ो मोर्चे पर लड़ रही है भाजपा ?

पश्चिम बंगाल हो,बिहार हो या झारखंड हो ।देश के सभी हिस्से में भाजपा ने एक साथ कई मोर्चे पर विपक्षी दलों के साथ लड़ाई शुरू कर दी है ।बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री रावडी देवी को घर से बाहर निकलने का निर्णय लिया है। रावडी देवी और लालू यादव की सुरक्षा हटा ली गई है। इसके पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा में कटौती कर दी। भाजपा दिखाना चाहती है, उनसे ज्यादा ताकतवर कोई नहीं है। अश्वमेध के इस यज्ञ में जीत बीजेपी की ही होगी। ऐसी स्थिति में अब तेजस्वी यादव ने भी अपनी सुरक्षा व्यवस्था वापस कर दी है ।लालू परिवार बिना किसी सुरक्षा के भाजपा को चुनौती देने सड़कों पर है। यादव परिवार का मानना है, मरेंगे तो शहीद होंगे। जिंदा रह गए तो राज करेंगे। भाजपा को लगता है, यह उनका सबसे अच्छा समय है। सभी विरोधियों को समाप्त कर सकते हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, दसवी, बुधवार, रेवती नक्षत्रे, सौभाग्य योगे, वल करणे, मीन की चंद्रमा, भद्रा 7/4 पंचक समाप्त 3/45 जातकर्म, नामाकरण, अन्नप्रासन, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ फलप्रद होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, उत्तम व्रतधारी, सफल नायक, वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, योगी-भोगी, आत्म निरीक्षणकर्ता, उद्योग स्थापन करने वाला, व्यावसायी, धनी वक्ता-अधिवक्ता होगा।

मेष राशि- आशानुकूल सफलता से संतोष तथा कुछ सफलता के साधन बनेंगे।

वृष राशि- समय आराम से बीते, व्यवसायिक क्षमता का ध्यान अवश्य ही रख सकेंगे।

मिथुन राशि- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा किन्तु इष्ट मित्रों से परेशानी होगी।

कर्क राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक हों, कुटुम्ब की समस्याएं सुलझेंगी, धैर्य से कार्य करेंगे।

सिंह राशि- प्रतिष्ठा वृद्धि एवं बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, स्थिति हर्षप्रद बनी रहेगी।

कन्या राशि- संघर्ष में सफलता से संतोष, व्यवसायिक क्षमता में अनुकूलता बनी रहेगी।

तुला राशि- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, कार्यक्षमता बढ़े, समाज में प्रतिष्ठा के योग बनेंगे।

वृश्चिक राशि- सामाजिक कार्यों में सुधार, कार्यगति में अनुकूलता, इष्ट मित्र सुखवर्धक हों।

धनु राशि- अचानक कोई शुभ समाचार प्राप्त हो, कार्यगति में सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।

मकर राशि- स्थिति यथावत रखें, समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे, कार्य में सुधार हो।

कुंभ राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, शरीर कष्ट, चिन्ता असमंजस की स्थिति बने।

मीन राशि- इष्ट मित्र सहायक रहेंगे, दैनिक कार्यगति अनुकूल बनी ही रहेगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

10 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.39 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	07.52 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.08 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.20 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.31 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.46 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.02 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.07 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.53 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मीन	00.26 बजे से
		मेष	01.57 बजे से
		वृष	03.37 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 161 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 09.22 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 06.30 बजे तदनन्तर सौभाग्य 04.03 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 13.53 बजे तदनन्तर विष्टि 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 00' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872736 **जूलियन दिन** 2461201.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 24

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ **Jagrutidaur.com, Bangalore**

अक्सर वायरल संक्रमण के कारण होता है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस लिवर की सूजन है, जो अक्सर वायरल संक्रमण के कारण होती है। यह बीमारी लिवर कैंसर, लिवर फेलियर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। जानकारों के अनुसार, हेपेटाइटिस दो प्रकार का होता है। एक्यूट हेपेटाइटिस जिसमें लक्षण अचानक प्रकट होते हैं और यह आमतौर पर छह महीने के भीतर ठीक हो जाता है। इसके लक्षणों में बुखार, थकान, पेट दर्द कुछ दिनों या हफ्तों तक होते हैं। दूसरा क्रॉनिक हेपेटाइटिस है, जो छह महीने से अधिक समय तक बना रहता है और धीरे-धीरे लिवर को नुकसान पहुंचाता है। यदि समय पर इलाज न हो तो यह लिवर फेलियर या कैंसर में बदल सकता है। हेपेटाइटिस के लक्षण शुरू में हल्के और धीरे-धीरे बढ़ने वाले होते हैं, जिससे जल्दी पहचान मुश्किल हो जाती है। आम लक्षणों में दस्त, कमजोरी, थकावट, बुखार, मतली, भूख कम लगना और पेट के दाईं ओर दर्द शामिल हैं।

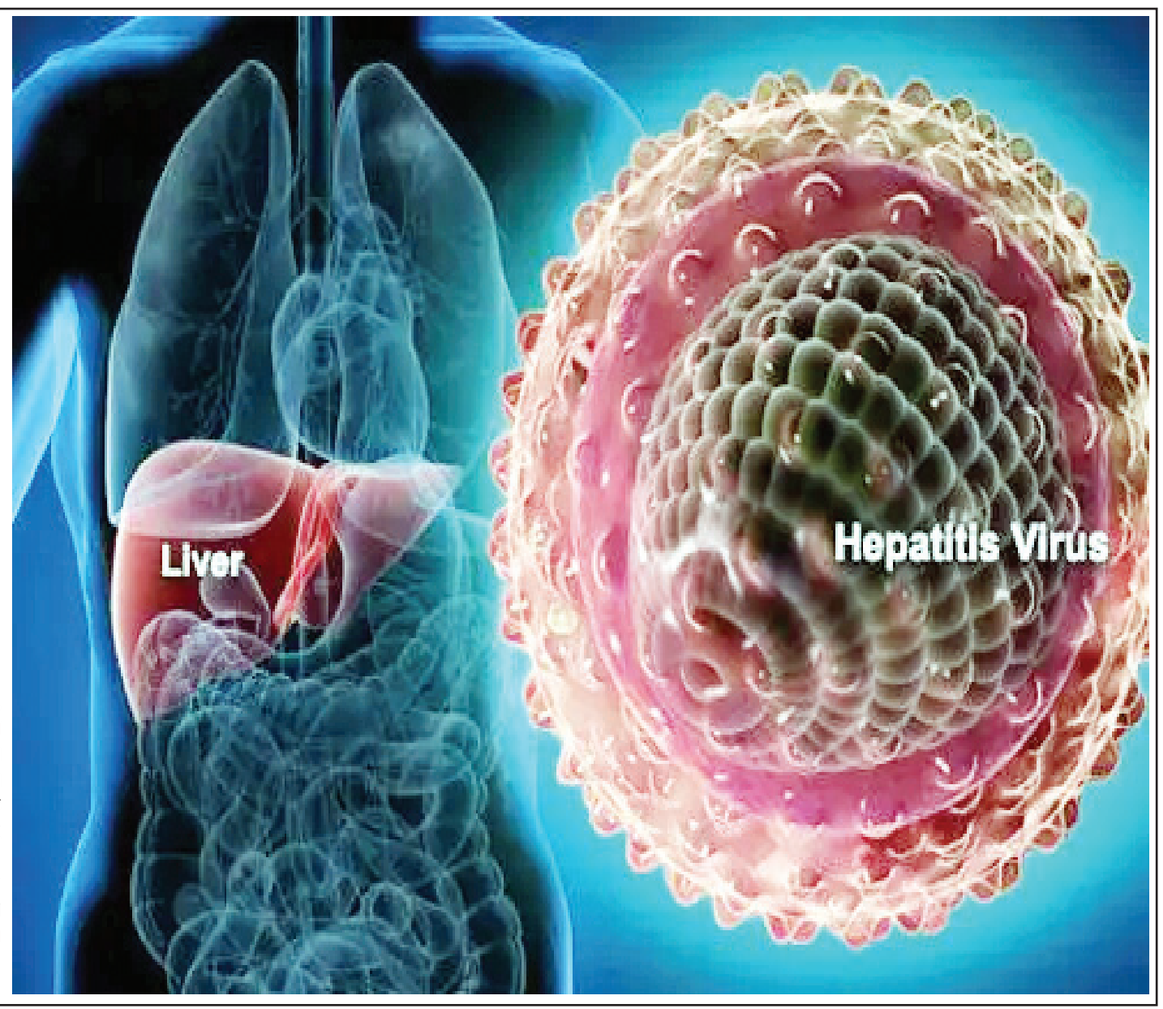

यदि यह लंबे समय तक रहता है, तो इसके गंभीर संकेत भी दिख सकते हैं जैसे भूल जाना, अधिक नींद आना, पेशाब का रंग गहरा होना, मल का रंग हल्का होना, त्वचा पर खुजली, और त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का पीलापन। हेपेटाइटिस से बचाव के लिए हमेशा उबला या शुद्ध पानी पिएं और बाहर का खुला खाना खाने से बचें। इसके लिए सुरक्षित और प्रभावी वैक्सीन भी उपलब्ध हैं। संक्रमित व्यक्ति के टूथब्रश, रेजर जैसी चीजें साझा न करें। गर्भवती महिलाओं की हेपेटाइटिस बी की जांच आवश्यक है, और संक्रमण पाए जाने पर तुरंत इलाज करवाएं। स्वच्छ और ताजा भोजन लें और डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा या डाइट न अपनाएं। सही सावधानी और समय पर इलाज से हेपेटाइटिस को नियंत्रित किया जा सकता है और लिवर की सेहत सुरक्षित रखी जा सकती है।

हैल्थ एक्सपर्टस के अनुसार, हमारा शरीर लगातार काम करता रहता है और इसमें लिवर एक अहम अंग है जो कई जरूरी कार्यों को बिना रुके पूरा करता है। यह खून साफ करने, खाना पचाने और शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है। लेकिन जब लिवर में सूजन आ जाती है, जिसे हम हेपेटाइटिस कहते हैं, तो शरीर कमजोर पड़ने लगता है।

डेंगू और मलेरिया को हल्के में न लें

डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की शुरुआत तेज बुखार और कमजोरी जैसे लक्षणों से होती है, जिससे अक्सर लोग भ्रमित हो जाते हैं। यह भ्रम कई बार बीमारी को गंभीर बना सकता है, इसलिए सही समय पर सही पहचान और इलाज बेहद जरूरी हो जाता है।

डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो एडीज एजिप्टी नामक मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर आमतौर पर दिन के समय सक्रिय रहता है और साफ पानी में पनपता है। वहीं मलेरिया एक परजीवीजनित रोग है, जो प्लाज्मोडियम नामक परजीवी के कारण होता है। यह परजीवी एनाफिलीज मच्छर के जरिए फैलता है, जो गंदे या ठहरे हुए पानी में पनपता है और रात के समय काटता है। इन दोनों बीमारियों के शुरुआती लक्षण जैसे तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, ठंड लगना और थकान काफी हद तक एक जैसे होते हैं, जिससे सही पहचान करना कठिन हो जाता है। हालांकि, कुछ विशेष लक्षणों पर ध्यान देकर इनकी पहचान संभव है। डेंगू में अचानक तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, त्वचा पर रैशेज और प्लेटलेट काउंट का तेजी से गिरना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। गंभीर मामलों में नाक या मसूड़ों से खून भी आ सकता है। दूसरी ओर मलेरिया में बुखार के साथ ठंड लगना, कंपकंपी, पसीना आना और हर 48 या 72 घंटे के अंतराल पर बुखार लौटना जैसे लक्षण होते हैं। कभी-कभी उल्टी, मतली और आंखों का पीलापन भी देखा जा सकता है। अगर इन लक्षणों में से कोई भी लगातार दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और खून की जांच करवानी चाहिए। डेंगू की पुष्टि के लिए एनएस1 एंटीजन टेस्ट या आईजीएम/आईजीजी एंटीबॉडी टेस्ट और मलेरिया की पुष्टि के लिए ब्लड स्मीयर या रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट कराए जाते हैं।

डेंगू के लिए कोई विशेष एंटीवायरल दवा नहीं है, लेकिन लक्षणों के आधार पर इलाज किया जाता है। वहीं मलेरिया के लिए प्रभावी दवाएं उपलब्ध हैं, और समय रहते इलाज हो जाए तो मलेरिया पूरी तरह ठीक हो सकता है। सावधानी और जागरूकता ही इन बीमारियों से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। बता दें कि भारत में बरसात के मौसम के बाद डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। लोग इन्हें सामान्य वायरल या मौसम का असर समझकर घरेलू इलाज शुरू कर देते हैं, लेकिन इस सही नहीं माना जाता है।

हाई ब्लड प्रेशर की अनदेखी न करें

बदलती जीवन शैली के कारण आजकल हाई ब्लड प्रेशर समस्या आम है, लेकिन इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है क्योंकि यह धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ बन जाती है।

हाई ब्लड प्रेशर के शुरुआती लक्षण सामान्यत: स्पष्ट नहीं होते, लेकिन समय के साथ यह स्थिति बढ़ती है और दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है। खासकर जब बीपी बहुत ज्यादा बढ़ जाए तो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। हाई ब्लड प्रेशर तब होता है जब दिल को शरीर में ब्लड पंप करने के लिए सामान्य से ज्यादा दबाव लगाना पड़ता है। इस दबाव के कारण रक्त वाहिकाओं की दीवारें कमजोर और क्षतिग्रस्त होने लगती हैं, जिससे गंभीर मामलों में वे फट भी सकती हैं। सामान्य ब्लड प्रेशर की रेंज 120/80 एमएम एचजी होती है, जबकि अगर सिस्टोलिक प्रेशर 130 से 139 के बीच और डायस्टोलिक प्रेशर 80 से 90 के बीच होता है तो इसे हाई ब्लड प्रेशर माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि ब्लड प्रेशर 140/90 एमएम एचजी से ऊपर चला जाए तो हार्ट अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस स्थिति में जल्द ही डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी हो जाता है ताकि आगे की गंभीरताओं से बचा जा सके।

हाई ब्लड प्रेशर को साइलेंट किलर भी कहा जाता है क्योंकि इसके कई मामलों में कोई स्पष्ट लक्षण नजर नहीं आते। फिर भी कुछ लोगों को तेज सिरदर्द, चक्कर आना, आंखों का लाल होना, नाक से खून आना, सीने में दर्द और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए जो लोग बीपी से परेशान हैं या जो इस बीमारी के जोखिम में हैं, उन्हें नियमित रूप से अपना ब्लड प्रेशर जांचते रहना चाहिए। यदि ब्लड प्रेशर अनियंत्रित रहता है तो यह न केवल हार्ट अटैक बल्कि स्ट्रोक और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों का भी कारण बन सकता है।

कम नींद: सेहत के लिए गंभीर खतरा

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर अपने काम और तनाव के चलते अपनी नींद से समझौता कर लेते हैं। कई लोग कम नींद को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे सेहत के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखते हैं। पर्याप्त नींद नहीं लेने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी बुरा असर पड़ता है, जिससे थकान, चिड़चिड़ापन, तनाव और कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छी और पूरी नींद स्वस्थ जीवनशैली का एक अनिवार्य हिस्सा है। यह उतना ही महत्वपूर्ण है जितना संतुलित आहार और नियमित व्यायाम। नेशनल हेल्थ मिशन भी इस बात पर जोर देता है कि लगातार कम नींद तन और मन दोनों की सेहत को कमजोर करती है। नींद सिर्फ आराम का साधन नहीं है, बल्कि यह शरीर को खुद को दुरुस्त करने, कोशिकाओं की मरम्मत करने, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने और दिमाग को तरोताजा रखने का प्राकृतिक तरीका है। यह हमें पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करती है। इसीलिए, स्वास्थ्य विशेषज्ञ रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद लेने की सलाह देते हैं।

नींद की कमी का सेहत पर सीधा और गहरा असर पड़ता है। सबसे पहले तो व्यक्ति दिनभर थकान और सुस्ती महसूस करता है, जिससे उसकी कार्यक्षमता घट जाती है और तनाव का स्तर बढ़ जाता है। लंबे समय तक कम नींद लेने से वजन अनियंत्रित रूप से बढ़ सकता है, क्योंकि यह भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को प्रभावित करती है। एनएचएम के अनुसार, अपर्याप्त नींद हृदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कई गुना बढ़ा देती है; यह रक्तचाप को अनियंत्रित कर सकती है और दिल की धड़कन पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है। इसके अतिरिक्त, डायबिटीज का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। त्वचा पर भी इसका बुरा असर दिखता है, जैसे चेहरे पर झुर्रियां, कालापन और एक थकी हुई, निस्तेज रंगत।

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ, मानसिक स्वास्थ्य पर भी नींद की कमी का गंभीर प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति में चिड़चिड़ापन, एकाग्रता की कमी, डिप्रेशन और चिंता जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। याददाश्त कमजोर होना और निर्णय लेने की क्षमता का प्रभावित होना भी इसके प्रमुख लक्षणों में से एक है।

अच्छी और गुणवत्तापूर्ण नींद पाने के लिए कुछ सरल उपाय अपनाए जा सकते हैं। रोजाना एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत डालें। रात को सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल, टीवी और कंप्यूटर जैसी स्क्रीन से दूरी बनाएं। हल्का-फुल्का व्यायाम करें, लेकिन सोने से ठीक पहले भारी कसरत से बचें। रात का भोजन हल्का रखें और सोने से कुछ घंटे पहले कर लें। अपने सोने के कमरे को शांत, अंधेरा और आरामदायक बनाएं। नींद की कमी को कभी भी हल्के में न लें। यह आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए एक चेतावनी संकेत हो सकता है। यदि आपको लगातार नींद न आने की समस्या या दिनभर थकान महसूस हो रही है, तो बिना देर किए किसी डॉक्टर या स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

एसी के अधिक इस्तेमाल से हड्डियों को होता है नुकसान

गर्मियों में सभी लंबे समय तक एसी का इस्तेमाल करते हैं। इससे जब ठंडी हवा मिलती है, तो नींद भी अच्छी लगती है पर ध्यान रहे एसी में ज्यादा सोने से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एसी सीधे तौर पर हड्डियों को नुकसान नहीं पहुंचाता। लेकिन लंबे समय तक अत्यधिक ठंडे वातावरण में रहने से शरीर में कुछ बदलाव जरूर हो सकते हैं। ठंड में मांसपेशियों और जोड़ों में जकड़न की समस्या बढ़ जाती है, खासकर उन लोगों में जिन्हें पहले से गठिया या हड्डियों की कमजोरी की समस्या हो।एसी के ज्यादा इस्तेमाल से होने वाले विपरीत प्रभाव :

विटामिन डी की कमी: एसी में ज्यादा समय बिताने वाले लोग अक्सर धूप से दूर रहते हैं, जिससे शरीर में विटामिन डी की कमी हो सकती है जबकि यह विटामिन हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी होता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता पर असर: लंबे समय तक ठंडे वातावरण में रहने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है, जिससे हड्डियों सहित अन्य अंग भी प्रभावित हो सकते हैं।

सूखापन और जकड़न: एसी हवा को शुष्क बना देता है, जिससे स्किन और जोड़ों में सूखापन व अकड़न हो सकती है। यह समस्या बुजुर्गों और बच्चों में ज्यादा देखने को मिलती है।

इस प्राकर करें एसी का इस्तेमाल

एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखें। ठंडी हवा को सीधे शरीर पर न पड़ने दें।

कमरे में थोड़ी नमी बनाए रखें।

दिन में थोड़ी देर धूप में जरूर बैठें ताकि शरीर को विटामिन डी मिल सके। बच्चों और बुजुर्गों के जोड़ों की नियमित रूप से तेल से मालिश करें। एसी में सोना हड्डियों को सीधे नुकसान नहीं पहुंचाता, लेकिन इसके अत्यधिक और गलत इस्तेमाल से शरीर में कुछ समस्याएं जरूर हो सकती हैं। सावधानी और समझदारी से एसी का इस्तेमाल करें ताकि गर्मी से राहत भी मिले और सेहत भी बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान, स्वाद से समझौता नहीं

नई दिल्ली। आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

भारत ए की ओर से खेलते हुए 14 रन ही बना पाये वैभव

दांबुला। वैभव सूर्यवंशी यहां भारत ए की ओर से खेलते हुए पहले ही मैच में असफल रहे हैं। यहां खेली जा रही त्रिकोणीय ए क्रिकेट सीरीज में मेजबान श्रीलंका ए के खिलाफ मैच में भारत ए की शुरुआत करते हुए वैभव 12 गेंदों में केवल 14 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। वैभव के अलावा आईपीएल में काफी अच्छी बल्लेबाजी करने वाले प्रभसिमरन सिंह भी 11 गेंद में 2 रन बनाकर आउट हो गये। इस मैच में भारत ए टीम के कप्तान तिलक वर्मा ने टॉस जीत और टीम ने पहले बल्लेबाजी शुरु की था पर उसे शुरुआत में ही दो झटके लग गये। वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और श्रीलंका ए के गेंदबाजों मोहम्मद शिराज और चमिका करुणारत्ने पर अच्छे शॉट लगाये।

हार्दिक और सूर्यकुमार के बीच आई दूरियां

मुम्बई। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या के बीच मतभेद गहराने के संकेत मिले हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि दोनो ने ही सोशल मीडिया में एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। ये भी कहा जा रहा है कि टीम में इन दोनो अनुभवी खिलाड़ियों की नहीं पट रही थी। इसी कारण अब सूर्यकुमार मुम्बई इंडियंस छोड़ना चाह रहे हैं। सूर्या ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से मुंबई इंडियंस से जुड़े सभी पोस्ट भी हटा दिए हैं, जिससे उनके अगले सत्र में टीम छोड़ने की संभावनाएं भी बढ़ गयी हैं। हाल ही में हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद भी बेहद खराब रहा और टीम नौवे नंबर पर रही थी। यह सब हार्दिक के कप्तान रहते हुए।

49वें ओवर में श्रीलंका के 3 विकेट गिरे, टीम इंडिया 8 रन से जीती

इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए को ट्राई सीरीज का पहला वनडे हराया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडिया-ए ने ट्राई सीरीज के पहले वनडे में श्रीलंका-ए को 8 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया-ए ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका-ए की टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर ऑलआउट हो गई।

श्रीलंका को आखिरी दो ओवर में 10 रन चाहिए थे और 3 विकेट बचे थे। लेकिन, 49वें ओवर में अरशद खान ने दो विकेट लेने के साथ एक रनआउट कराकर श्रीलंका की पारी को समेट दिया।

गायकवाड ने शतक लगाया, तिलक की फिफ्टी: दांबुला स्टेडियम में टॉस जीतकर बैटिंग कर रही भारतीय टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड ने 101 रन की शतकीय पारी खेली। जबकि कप्तान तिलक वर्मा ने 60 रन का योगदान दिया। आईपीएल -2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी 14 रन ही बना सके। श्रीलंकाई टीम की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट झटके।

कप्तान सहान अराचिगे ने 74 रन बनाए: टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका के लिए सहान अराचिगे (74) और सदीरा समरविक्रमा (46) ने श्रीलंका की उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन भारत ने लगातार अंतराल पर विकेट निकालकर मैच का रुख पलट दिया।

भारत के लिए आयुष बदोनी, अनुकूल रॉय, अरशद खान और विप्रज निगम ने 2-2 विकेट लिए। अंशुल कंबोज को 1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

इंडिया-ए: वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, ऋतुराज गायकवाड, तिलक वर्मा (कप्तान), आयुष बदोनी, अनुकूल रॉय, सूर्यांश शेडगे, अंशुल कंबोज, अरशद खान और विप्रज निगम।

श्रीलंका-ए: निरोशन डिकवेला (उप कप्तान और विकेटकीपर), अविष्का फर्नांडो, नुवानिदु फर्नांडो, सदीरा समरविक्रमा (विकेटकीपर), सहान अराचिगे (कप्तान), चमिका करुणारत्ने, रविन्दु फर्नांडो, वानुजा सहन, विजयकांत वियास्कंथ, मोहम्मद शिराज और गरुका संकेत।

49वें ओवर में 3 विकेट गिरे, श्रीलंका ऑलआउट: जीत के हीरो अरशद खान रहे, जिन्होंने 49वें ओवर में मैच का रुख पलट दिया। ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने विजयकांत वियासकांत को LBW आउट किया। इसके बाद तीसरी गेंद पर वानुजा सहान गैरजरूरी रन लेने की कोशिश में रनआउट हो गए। फिर ओवर की पांचवीं गेंद पर मोहम्मद शिराज का विकेट लेकर अर्शद ने श्रीलंका की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस तरह एक ही ओवर में तीन विकेट गिरने से श्रीलंका की पारी 48.5 ओवर में 269 रन पर सिमट गई।

कंबोज ने सहान अराचिगे को आउट किया: 47.2 ओवर में अंशुल कंबोज ने भारत को 7वां विकेट दिलाया। उन्होंने शानदार यॉर्कर डालकर सेट बल्लेबाज सहान अराचिगे की बेहतरीन पारी का अंत कर दिया। अरच्चिगे ने गेंद को निकालने की कोशिश की, लेकिन बल्ले का निचला किनारा लगने के बाद गेंद सीधे स्टंप्स से जा टकराई। श्रीलंका का यह सातवां विकेट था और टीम को अब जीत के लिए 16 गेंदों में 16 रन की जरूरत थी। अराचिगे 72 गेंदों में 74 रन बनाकर आउट हुए। उनकी शानदार पारी में 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

लंदन में क्वींस क्लब चैम्पियनशिप के पहले ही दौर में रिटर्न शॉट लगाती हुई कनाडा की लेयाह फर्नांडिज।

इंडियास बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स के लिए नामांकन शुरू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

शिव नाडर फाउंडेशन और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सईद बिजनेस स्कूल ने मिलकर ' इंडियास बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स के पहले संस्करण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पहल का मकसद देशभर में कक्षा 9 से 12 तक पढ़ाने वाले प्रेरणादायी और बेहतरीन शिक्षकों को सम्मानित करना है।

सरकारी और निजी स्कूलों के प्राचार्य तथा स्कूल प्रमुख 31 जुलाई 2026 तक अपने विद्यालय के योग्य शिक्षकों के नाम भेज सकते हैं। चुने गए शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा और उन्हें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सईद बिजनेस स्कूल में एक हफ्ते के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। इस कार्यक्रम का पूरा खर्च आयोजकों की तरफ से उठाया जाएगा।

भारत में 14 लाख से ज्यादा स्कूल हैं, जहाँ करीब 98 लाख शिक्षक 24 करोड़ से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा दे रहे हैं। अलग-अलग हालात और चुनौतियों के बीच काम करते हुए शिक्षक बच्चों का भविष्य संवारने में अहम भूमिका निभाते हैं।

आज के दौर में शिक्षक केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं। वे विद्यार्थियों में सोचने-समझने की क्षमता, नई चीजें सीखने की जिज्ञासा, रचनात्मकता और जिंदगी की असली चुनौतियों का सामना करने का हौसला भी जगाते हैं। ऐसे में बेहतरीन शिक्षकों के योगदान को पहचानना और सम्मानित करना बेहद ज़रूरी है।

इस पुरस्कार के ज़रिये उन शिक्षकों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की कोशिश है जिन्होंने अपने काम से विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता बेहतर की, उन्हें प्रेरित किया और अपने स्कूलों में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दिया।

यह पुरस्कार भूगोल, व्यवसाय अध्ययन एवं उद्यमिता, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, भौतिकी, अंग्रेज़ी, पर्यावरण विज्ञान और गणित विषयों के शिक्षकों के लिए है। चयन प्रक्रिया में शिक्षकों के विषय ज्ञान, पढ़ाने के नए और असरदार तरीकों, विद्यार्थियों पर उनके प्रभाव तथा विद्यालय और समाज में उनकी भूमिका को ध्यान में रखा जाएगा। पुरस्कार विजेता शिक्षकों को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक हफ्ते के विशेष कार्यक्रम में बुलाया जाएगा, जहाँ वे शिक्षा, नेतृत्व और नवाचार से जुड़े वैश्विक अनुभवों से सीख सकेंगे और देश-विदेश के विशेषज्ञों व अन्य शिक्षकों के साथ विचार साझा कर सकेंगे। अंतिम चरण के लिए चुने गए शिक्षकों को 4 और 5 सितंबर 2026 को शिव नाडर विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर में आयोजित चयन प्रक्रिया में बुलाया जाएगा।

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग

इंदौर पिंक पैंथर्स की धमाकेदार जीत, मालवा स्टैलियंस को 31 रनों से दी मात

इंदौर ■ निसं

होल्कर स्टेडियम की पारंपरिक रूप से रनों से सराबोर रहने वाली पिच पर मंगलवार रात को चौके-छक्कों की ऐसी आतिशबाजी हुई कि दर्शक दीवाने हो गए। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के 13वें महामुकाबले में इंदौर पिंक पैंथर्स ने अपनी बादशाहत कायम रखते हुए मालवा स्टैलियंस को 31 रनों से करारी शिकस्त दी। इंदौर के गगनचुंबी 229 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य के सामने मालवा की टीम लाख कोशिशों के बाद भी 20 ओवरों में 9 विकेट पर 198 रन ही बना सकी। इस जीत के असली हीरो और प्लेयर ऑफ द मैच इंदौर के गेंदबाज शिवम शुक्ला रहे, जिन्होंने मालवा के बल्लेबाजों को अपनी अंगुलियों पर नचाते हुए महज 27 रन देकर 5 विकेट चटकाए और मैच का पासा पूरी तरह इंदौर की तरफ पलट दिया।

टहलियानी, अय्यर और सुराना का इन्दौरी तड़का: इससे पहले शाम को जब इंदौर के कप्तान वेंकटेश अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, तो किसी को अंदाजा नहीं था कि मैदान पर रनों का सैलाब आने वाला है। सलामी बल्लेबाज अथर्व जोशी (45 रन, 20 गेंद) ने जो चिंगारी सुलगाई थी, उसे पहले करण टहलियानी (50 रन) ने संभाला और फिर कप्तान वेंकटेश अय्यर और सारंश सुराना ने दावाग्नि में बदल दिया। अय्यर ने कप्तानी पारी खेलते हुए मैदान के चारों ओर 6 गगनचुंबी छक्के जड़े और महज 22 गेंदों में 54 रन बना डाले। रही-सही कसर सारंश सुराना ने पूरी कर दी, जिन्होंने मालवा के गेंदबाजों को रिमांड पर लेते हुए सिर्फ 17 गेंदों में 5 छक्कों के साथ नाबाद 50 रन कूट दिए। इंदौर ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 229 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मालवा के गेंदबाज हर्षवर्धन सिंह इंदौर के बल्लेबाजों के निशाने पर रहे और उन्होंने अपने 4 ओवर में रिकॉर्ड 70 रन लुटाए।

शिवम की धारदार गेंदबाजी से बिखरा मालवा का स्टैलियंस : जवाब में 230 रनों के हिमालयी लक्ष्य का पीछा करने उतरी मालवा स्टैलियंस की शुरुआत अच्छी रही। सचिन विश्वकर्मा (47 रन) और अंश यादव (31 रन) ने इंदौर के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेलने की कोशिश की, लेकिन इसके बाद मैदान पर शुरू हुआ शिवम शुक्ला का तूफान। शिवम ने अपनी कटर और सटीक लाइन-लेंथ से मालवा के मध्यक्रम की गिल्लियां बिखेर दीं। उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पैल में एक मेडन ओवर फेंकते हुए मात्र 27 रन दिए और 5 बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। इस घातक गेंदबाजी ने मालवा की कमर तोड़ दी।

व्यापार समाचार

एन चंद्रशेखरन ने क्यों कहा

टीसीएस में तीन साल के भीतर इंसानों के बराबर होंगे एआई कर्मचारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हमारी नौकरियां छीन लेगी या फिर व्यापार के नए रास्ते खोलेगी? इस चर्चा के बीच भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने भविष्य की एक बेहद साफ तस्वीर पेश की है। टीसीएस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को एक बड़ा एलान करते हुए कहा है कि अगले तीन साल के भीतर कंपनी में इंसानी कर्मचारियों की संख्या के बराबर ही 'एआई एजेंट' या 'एआई वर्कर' काम कर रहे होंगे। यह बयान स्पष्ट करता है कि एआई अब केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं रह गया है, बल्कि यह भविष्य के बिजनेस ग्रोथ का सबसे अहम चालक बन चुका है।

टीसीएस का एआई रेवेन्यू और निवेश कितनी तेजी से बढ़ रहा है?: टीसीएस की 31वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में बोलते हुए चंद्रशेखरन ने बताया कि कंपनी अपने इंटरनल ऑपरेशंस, सॉल्यूशन फ्रेमवर्क और एक्सटर्नल ऑपरेशंस में एआई एजेंट्स पर भारी निवेश कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'वह दिन दूर नहीं जब टीसीएस में फिजिकल कर्मचारियों के बराबर ही एआई एजेंट काम करेंगे'। वित्तीय आंकड़ों पर नजर डालें, तो पिछले चार तिमाहियों से कंपनी के एआई रेवेन्यू में लगातार 22 फीसदी से ज्यादा की तिमाही वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2026 की आखिरी तिमाही तक कंपनी का सालाना एआई रेवेन्यू 2.5 अरब डॉलर के विशाल आंकड़े तक पहुंच गया है।

क्या एआई से आईटी सेक्टर को कोई खतरा है या यह एक बड़ा मौका है?: एआई से आईटी सेक्टर में उथल-पुथल की चिंताओं को चंद्रशेखरन ने एक 'गलतफहमी' करार दिया। उन्होंने शेयरधारकों से स्पष्ट तौर पर कहा, 'यह कोई बड़ा खतरा नहीं है, बल्कि एंटरप्राइज आईटी के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा मौका है'। उन्होंने एआई के दौर में आईटी कंपनियों के लिए विकास के पांच मुख्य अवसरों का उल्लेख किया: लेगेसी सिस्टम का आधुनिकीकरण: पुराने तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर और बिखरे हुए डेटा को एआई के जरिए आधुनिक बनाना।

बिजनेस प्रोसेस का नया डिजाइन: सप्लाई चेन और कस्टमर जर्नी जैसे कोर ऑपरेशंस को एंड-टू-एंड एआई से लैस करना।

एआई एजेंट्स का प्रबंधन: सुरक्षा, लागत और नियमों के पालन के लिए एआई का गवर्नेंस सुनिश्चित करना।

सॉवरेन एआई का उदय: सरकारें और कड़े नियमों वाले संस्थान अपने डेटा पर पूरा नियंत्रण चाहते हैं। इसे देखते हुए टीसीएस ने भारत और यूरोप में विशेष पहल शुरू कर दी है।

फिजिकल एआई: फैक्ट्रियों और गोदामों में एआई रोबोटिक्स का इस्तेमाल। उदाहरण के तौर पर, एक ग्लोबल कृषि कंपनी के गोदाम में खतरनाक परिस्थितियों की निगरानी के लिए चार-पैरों वाले रोबोट का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया जा रहा है।

भविष्य को लेकर टीसीएस की वित्तीय स्थिति और आउटलुक कैसा है?: बाजार में चल रही चिंताओं के बावजूद, टीसीएस का बिजनेस मोमेंटम बेहद मजबूत है। चंद्रशेखरन के अनुसार, 'मार्जिन बरकरार है, रेवेन्यू बढ़ रहा है।

अमेरिका ने 100 चीनी कंपनियां को 'मिलिट्री लिस्ट' में डाला:दावा

कंपनियां चीनी सेना की मदद कर रहीं, कंपनियों पर प्रतिबंधों का खतरा बढ़ा

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका ने अलीबाबा ग्रुप, बायडू और BYD जैसी दिग्गज चीनी टेक और ऑटोमोबाइल कंपनियों को 'चीनी मिलिट्री कंपनियों' की लिस्ट में शामिल किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के अनुसार ये कंपनियां पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी चीनी सेना और वहां की सुरक्षा एजेंसियों की मदद करती हैं।

अमेरिका ने नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट के सेक्शन 1260॥ के तहत अब तक 100 से अधिक चीनी कंपनियों को इस ब्लैकलिस्ट में डाल दिया है।

अलीबाबा, टेनसेंट और शाओमी जैसी बड़ी कंपनियों पर शिकंजा: पेंटागन द्वारा जारी की गई इस नई लिस्ट में चीन के लगभग हर बड़े सेक्टर की दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। इनमें ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अलीबाबा, सर्च इंजन और एआई सेक्टर की बड़ी कंपनी बायडू, और दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनियों में से एक BYD शामिल है।

इनके अलावा इस लिस्ट में बैटरी बनाने वाली कंपनी CATL, गेमिंग और सोशल मीडिया की बड़ी कंपनी टेनसेंट, टेलिकॉम कंपनी हुवावे और ड्रोन बनाने वाली कंपनी DJI को भी शामिल किया गश है। इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्किंग डिवाइस बनाने वाली टीपी-लिंक, रोबोटिक्स फर्म यूनिट्री , सर्विलांस कैमरा बनाने वाली हिकविज़न), और कोस्को शिपिंग जैसी दिग्गज कंपनियां भी इस सूची में शामिल हैं। चीन की बड़ी टेलिकॉम ऑपरेटर जैसे चाइना मोबाइल, चाइना टेलीकॉम, और चाइना यूनिकॉम को भी सेना से जुड़े होने के कारण इसमें डाला गया है।

पेंटागन ने दिया चीनी सरकारी मंत्रालयों और सेना से संबंधों का हवाला: अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने इन कंपनियों को लिस्टेड करने के लिए ठोस कानूनी और रणनीतिक कारण बताए हैं। पेंटागन का कहना है कि ये कंपनियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से चीन के सरकारी तंत्र और सैन्य संस्थानों से जुड़ी हुई हैं। आधिकारिक दस्तावेज में खास तौर पर 'स्टेट-ओन्ड एसेट्स सुपरविज़न एंड एडमिनिस्ट्रेशन कमीशन' और 'मिनिस्ट्री ऑफ इंडस्ट्री एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी' का ज़िक्र किया गया है। इसके अलावा चीन के स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन फॉर साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्री फॉर नेशनल डिफेंस और चीन की मुख्य सेना यानी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के साथ-साथ पीपुल्स आर्म्ड पुलिस व चीनी खुफिया और कानून प्रवर्तन (लॉ-इन्फोर्समेंट) एजेंसियों के साथ भी इन कंपनियों के संबंध का दावा अमेरिका ने किया है।

गैर-खुदरा निवेशकों की शुरुआती प्रतिक्रिया सुस्त

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी एनएलसी इंडिया में केंद्र सरकार की तीन प्रतिशत तक हिस्सेदारी बिक्री के लिए मंगलवार को खुली पेशकश (ओएफएस) शुरू हो गई। पहले दिन गैर-खुदरा निवेशकों की तरफ से इसे उम्मीद से कम प्रतिक्रिया मिली। आंकड़ों के अनुसार गैर-खुदरा निवेशकों ने अपने लिए आरक्षित 2.49 करोड़ शेयरों में से केवल 1.09 लाख से अधिक शेयरों (0.44 प्रतिशत) के लिए बोली लगाई। यह बोली 304.92 रुपये प्रति शेयर के सांकेतिक मूल्य पर लगी। सरकार एनएलसी इंडिया में अधिकतम तीन प्रतिशत या लगभग 4.16 करोड़ शेयर बेच रही है, जिसका आधार मूल्य 303 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस हिस्सेदारी बिक्री से सरकार को करीब 1,200 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। यह पेशकश दो प्रतिशत के आधार और अतिरिक्त एक प्रतिशत के ग्रीन शू विकल्प के साथ है। खुदरा निवेशकों के लिए यह निर्गम 10 जून को खुलेगा। वर्तमान में एनएलसी इंडिया में सरकार की 72.20 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

फिच ने भारत की विकास दर घटाकर 6.4 फीसदी की

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। यह कटौती अमेरिका-ईरान संघर्ष और इससे जुड़े वैश्विक तेल संकट के गहरे होते प्रभावों के कारण की गई है। रेटिंग एजेंसी ने उच्च मुद्रास्फीति और उपभोक्ता खर्च पर संभावित दबाव की भी चेतावनी दी है। अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में फिच ने कहा कि ब्रेंट क्रूड का अनुमान 70 डॉलर से बढ़कर 87 डॉलर प्रति बैरल हो गया है, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य भी जुलाई तक बंद रह सकता है। फिच ने वित्त वर्ष 2026-27 में वृद्धि दर धीमी रहने की आशंका जताई है, हालांकि घरेलू मांग और निवेश से कुछ समर्थन मिलेगा।

वॉलमार्ट का दांव- छोटे-बड़े हर ऑपरेशन में एआई तैनात

20 लाख कर्मचारियों वाला वॉलमार्ट एआई से रिटेल और शॉपिंग का तरीका बदल रहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ग्लोबल रिटेल चेन वॉलमार्ट की सालाना मीटिंग में यह साफ हो गया है कि कंपनी बिजनेस की रफ्तार बढ़ाने के लिए एआई को सबसे बड़ा हथियार बना रही है। दुनियाभर में फैले हजारों स्टोर्स, करोड़ों साप्ताहिक ग्राहक और 20 लाख से अधिक कर्मचारियों वाली यह कंपनी अब स्टोर के अंदर ऑर्डर पिकिंग से लेकर डिलीवरी टाइमिंग और कस्टमर फीडबैक समझने तक हर छोटे-बड़े ऑपरेशन में एआई की मदद ले रही है। वॉलमार्ट के सीईओ जॉन फर्नर ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य एआई सीखने और इसकी क्षमता को सबके लिए सुलभ बनाना है।

हर कर्मचारी तक एआई टूल पहुंचाएगी: फर्नर का जोर है कि कंपनी का हर कर्मचारी एआई टूल्स सीखे और आगे बढ़े। मीटिंग में सबसे ज्यादा चर्चा 'कोड पपी' टूल की रही, जिसे वॉलमार्ट ग्लोबल टेक के ही इंजीनियरों ने विकसित किया है। यह एक ऐसा 'वाइब-कोडिंग टूल' है जो सभी कर्मचारियों को अपने स्तर पर तकनीकी समाधान खोजने में मदद करता है।

आइडिया ग्लोबल स्केल पर फैलें: वॉलमार्ट की कोशिश है कि नए आइडियाज सीधे फ्रंटलाइन कर्मचारियों से निकलें और ग्लोबल एंटरप्राइज में लागू किया जाए। फर्नर ने कहा, 'आइडिया कहां से आया, यह मायने नहीं रखता। चाहे वह बेंगलुरु हो या ग्रेटर टोरंटो हो। जहां सबसे अच्छा आइडिया होगा, हम उसे अपनाएंगे और स्केल करेंगे।'

ओपनएआई के साथ क्रेडेंशियलिंग प्रोग्राम: वॉलमार्ट ने ओपनएआई संग क्रेडेंशियलिंग प्रोग्राम लॉन्च किया, जो हर कर्मचारी के लिए है। उद्देश्य कर्मचारी एआई से समस्याओं को हल कर सकें। कंपनी के एक लॉजिस्टिक्स मैनेजर ने ऐसा एआई एजेंट बनाया, जो रूट ऑप्टिमाइजेशन में मदद करता है। खाली ट्रकों की आवाजाही कम हुई है और ड्राइवरों का समय बच रहा है।

पीएनबी ने दिव्यांगजनों के लिए किफायती ऋण की पहुंच का विस्तार करने हेतु 'पीएनबी दिव्यांग ऋण' की शुरुआत की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने 'पीएनबी दिव्यांग ऋण' की शुरुआत की है, जो एक रियायती आवास और वाहन ऋण योजना है। इसे किफायती और सुलभ वित्तीय समाधानों के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह योजना राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम (एनडीएफडीसी) के साथ साझेदारी में शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत बैंक आवास और गतिशीलता की आवश्यकताओं के लिए रियायती वित्तपोषण प्रदान करेगा, जिसे एनडीएफडीसी से 100% पुनर्वित्त सहायता प्राप्त होगी।

इस योजना के अंतर्गत, पात्र भारतीय नागरिक खरीद, निर्माण, नवीकरण या संयुक्त आवास (कंपोजिट हाउसिंग) के उद्देश्यों के लिए 50 लाख तक के आवास ऋण का लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, गतिशीलता, रोजगार क्षमता और वित्तीय स्वतंत्रता में सुधार लाने के उद्देश्य से संशोधित चौपहिया वाहनों (50 लाख तक) और दोपहिया वाहनों (1.50 लाख तक) के लिए रियायती वाहन ऋण उपलब्ध कराए जाएंगे। आवास ऋण और वाहन ऋण दोनों का लाभ उठाने वाले ग्राहक के लिए अधिकतम संयुक्त सीमा ?50 लाख निर्धारित की गई है।

इस अवसर पर बोलते हुए, रिटेल आस्ति कारोबार प्रभाग, पीएनबी के महाप्रबंधक, सुबोध कुमार ने कहा: 'पीएनबी में हमारा मानना है कि वित्तीय समावेशन का वास्तविक अर्थ समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए सार्थक पहुंच, सम्मान और सशक्तिकरण होना चाहिए। 'पीएनबी दिव्यांग ऋण' हमारी उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जिसके तहत हम ऐसी समावेशी बैंकिंग सेवाएं तैयार करना चाहते हैं जो दिव्यांग व्यक्तियों को अधिक वित्तीय स्वतंत्रता, बेहतर गतिशीलता और अपना घर होने के सपने को पूरा करने में सक्षम बना सकें। रियायती ब्याज दरों और औपचारिक ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करके, इस योजना का उद्देश्य उन समुदायों के लिए संस्थागत वित्त को अधिक किफायती और सुलभ बनाना है जो अब तक इन सुविधाओं से वंचित रहे हैं। यह पहल लक्षित वित्तीय सहायता के माध्यम से दिव्यांगजनों के समावेशी विकास और आर्थिक सशक्तिकरण के भारत सरकार के विज़न के अनुरूप है।'

योजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं: अधिकतम 50 लाख की संयुक्त सीमा के साथ रियायती आवास ऋण और वाहन ऋण, व्यक्तिगत गतिशीलता के लिए मॉडिफाइड वाहनों हेतु वित्तपोषण सहायता (दोपहिया वाहनों के लिए 1.50 लाख तक और चार पहिया वाहनों के लिए 50 लाख तक)।

केरल में कई दवाओं पर प्रतिबंध, गुणवत्ता परीक्षण में फेल

तिरुवनंतपुरम। केरल औषधि नियंत्रण विभाग ने राज्य में कई दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री व वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया है। मई में किए गए गुणवत्ता परीक्षणों में ये उत्पाद निम्न गुणवत्ता वाले पाए गए थे। केरल औषधि नियंत्रण विभाग के एक अ ?धिकारी ने कहा कि प्रभावित उत्पाद निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रहे, जिसके बाद जन स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई की गई है।

संक्षिप्त समाचार

दुबई में भीषण सड़क हादसे में 7 भारतीयों की मौत, 9 घायल

दुबई। दुबई में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। दुबई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि सड़क दुर्घटना में कई भारतीय श्रमिकों की मौत की खबर अत्यंत दुखद है। दूतावास के अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटे हैं। दुबई पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब एक मिनीबस सड़क के बीच तकनीकी खराबी के कारण खड़े एक ट्रक से पीछे से टकरा गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक अचानक बीच सड़क पर रुक गया था। दुबई पुलिस के यातायात विभाग के महानिदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि बस चालक पर्याप्त सावधानी नहीं बरत सका और सुरक्षित दूरी बनाए रखने में विफल रहा, जिसके कारण यह टक्कर हुई। दुर्घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं।

नेपाल सरकार ने 25 अत्यावश्यक सेवा क्षेत्र में बंद और हड़ताल पर प्रतिबंध लगाया

काठमांडू। नेपाल की बालेन्द्र शाह सरकार ने 25 अत्यावश्यक सेवाओं में हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी करते हुए आवश्यक सेवा संचालन अधिनियम, 2014 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए जारी की है। अधिसूचना के अनुसार डाक, तार और टेलीफोन सेवाएं, जल, स्थल एवं हवाई मार्ग से यात्री तथा माल ढुलाई करने वाली परिवहन सेवाएं, मुद्रण एवं सरकारी मुद्रणालय, संचार सेवाएं, पेयजल आपूर्ति जैसे क्षेत्र में बंद हड़ताल करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी तरह पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति, अस्पताल, दवाइयों से संबंधित सेवाएं, कचरा प्रबंधन, बैंकिंग, बीमा, विद्युत आपूर्ति, दैनिक उपभोग की वस्तुओं की आपूर्ति तथा पासपोर्ट सेवाओं सहित कुल 25 अत्यावश्यक क्षेत्रों में हड़ताल करना प्रतिबंधित रहेगा। सरकार का कहना है कि इन सेवाओं को निरंतर और निर्बाध रूप से संचालित रखना जनहित तथा सार्वजनिक जीवन की सुचारु व्यवस्था के लिए आवश्यक है, इसलिए इन्हें अत्यावश्यक सेवा के दायरे में रखते हुए हड़ताल पर रोक लगाई गई है।

हॉर्मुज पर नियंत्रण बनाए रखने पर अड़ा ईरान, यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों की आलोचना

तेहरान। ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की है। उसका कहना है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अपने संप्रभु अधिकारों का प्रयोग जारी रखेगा। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने यूरोपीय संघ के फैसले को 'भ्रामक और राजनीतिक कदम' करार दिया। उन्होंने कहा कि ईरान इस तरह के कदमों को कोई महत्व नहीं देता और हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी संप्रभुता बनाए रखने की नीति पर आगे बढ़ता रहेगा। इससे पहले यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख ने बताया था कि सदस्य देशों ने उन कुछ ईरानी व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिन पर जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को सीमित करने में भूमिका निभाने का आरोप है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता में जारी गतिरोध के बीच हॉर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित बनी हुई है। दुनिया के कुल कच्चे तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है, इसलिए क्षेत्र में तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी पड़ सकता है।

राजग सरकार के 12 साल पूरे होने पर सांसद-विधायक चलाएंगे जनसंपर्क अभियान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन वाली सरकार के 12 वर्ष आज पूरे हो गए हैं। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों और विधायकों को अपने अपने क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस अभियान को लेकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी सांसदों की बैठक ली थी। इस बैठक में सांसदों को कई कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इस अभियान के तहत भाजपा के सांसदों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री आगामी दिनों में अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों और राज्यों में विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। नेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्रों में चल रही या पूरी हो चुकी प्रमुख आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और विकास परियोजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाएंगे।

पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर में प्रदर्शन और हिंसक झड़पें

12 लोगों की मौत, पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर के खिलाफ लगे नारे

मीरपुर/रावलाकोट ■ एजेंसी

पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर (पीओके) में राजनीतिक अधिकारों और विधानसभा में प्रतिनिधित्व को लेकर बढ़ते तनाव के बीच प्रतिबंधित संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के सशस्त्र कार्यकर्ताओं और कानून प्रवर्तन एजेन्सी (एलईए) के बीच रावलाकोट में हुई हिंसक झड़प में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 8 प्रदर्शनकारी और 4 सुरक्षा कर्मी शामिल हैं। प्रदर्शनकारी पाकिस्तान की सेना और खासतौर पर सेना प्रमुख आसिम मुनीर से नाराज थे और आसिम मुनीर दहशतगर्द है के नारे लगा रहे थे।

पुंछ के आयुक्त सरदार वहीद खान ने पुष्टि की कि इस संघर्ष में कुल 12 लोगों की जान गई, जबकि दर्जनों सुरक्षा अधिकारी घायल हुए हैं। उनके अनुसार, प्रतिबंधित संगठन के सशस्त्र सदस्यों ने आधुनिक हथियारों से लैस होकर सुरक्षा बलों पर हमला किया और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही हैं। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और उपद्रवी तत्वों से दूरी बनाए रखने की अपील की। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है, अधिकांश राजमार्ग यातायात के लिए खोल दिए गए हैं और बाजार तथा व्यावसायिक केंद्र सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।

पाक को दुष्कर्मों और अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए : जायसवाल

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को प्रेसवार्ता के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि हम पाकिस्तान की ओर से फर्जी खबरों और वीडियो का एक सिलसिला लगातार देख रहे हैं। यह अपनी विफलताओं को छिपाने और अपने मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने का पाकिस्तान का एक हताशा-पूर्ण प्रयास है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भीषण पुलिस बर्बरता की खबरें हैं, जिसमें कई प्रदर्शनकारी मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों और अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

आजाद जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार, गोलीबारी में 4 सुरक्षाकर्मी मारे गए जबकि 20 से अधिक पुलिस और सुरक्षा अधिकारी घायल हुए हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब एजेके सरकार ने 9 जून को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले जेएएसी को आतंकवाद-निरोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित किया था।

जेएएसी पहले भी आर्थिक मुद्दों और राजनीतिक अधिकारों को लेकर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन आयोजित करता रहा है। मई 2024 और सितंबर 2025 में हुए कुछ प्रदर्शनों के दौरान भी सुरक्षा बलों के साथ झड़पों में लोगों की मौत हुई थी। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन के हिंसक कार्यकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है और अशांति फैलाने वालों को जल्द कानून के कटघरे में लाया जाएगा। जनता से भी अपील की गई है कि वे प्रतिबंधित संगठन या उसके सहयोगियों द्वारा आयोजित गतिविधियों में भाग न लें और केवल सरकारी स्रोतों से जारी जानकारी पर भरोसा करें।

पाक संसदीय मामलों के मंत्री तारिया फ़ज़ल चौधरी ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा अधिकांश मांगें स्वीकार किए जाने के बावजूद यह समूह क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि शहबाज़ के निर्देश पर एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई थी, जिसने वार्ता की और समझौते के बिंदुओं को लागू किया। मीरपुर डिवीजन में शांति बनाए रखने के लिए चलाए अभियान के दौरान पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन से कथित संबंध रखने वाले 91 लोगों को पकड़ा। कामरान अली ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास से हथियार, डंडे और अन्य सामग्री बरामद की गई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हिंसा उस समय भड़की जब पीओके के सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि पाकिस्तान में रह रहे कश्मीरी शरणार्थियों के लिए विधानसभा में आरक्षित 12 सीटें संवैधानिक रूप से संरक्षित हैं और इन्हें संवैधानिक संशोधन के बिना समाप्त नहीं किया जा सकता। यह फैसला जेएएसी द्वारा 9 जून को प्रस्तावित बड़े विरोध प्रदर्शन से ठीक पहले आया है। संगठन

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर की बमबारी, 11 बच्चों समेत 13 की मौत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर भीषण हमला किया है। इस हमले में 13 अफगानी नागरिकों की मौत हो गई है। मरने वालों में 11 बच्चे शामिल हैं। मंगलवार देर रात पाकिस्तान की सेना के लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान की हवाई सीमा का उल्लंघन करते हुए आम नागरिकों के घरों को निशाना बनाकर भारी बमबारी की। वहीं अफगानिस्तान ने पाकिस्तानी सेना के हमले को संप्रभुता का उल्लंघन बताया है।

अफगानिस्तान के प्रवक्ता ने एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान के कुनार, खोसत और पक्तिका प्रांत को निशाना बनाया। अफगानिस्तान के अनुसार रिहाइशी इलाकों को निशाना बनाया गया और आम नागरिकों के घरों पर बमबारी की गई, जिससे कई घर तबाह हो गए। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने बताया कि 13 लोग मारे गए हैं और सभी को शहीद घोषित किया गया है। मरने वालों में 11 बच्चे, एक महिला और एक बुजुर्ग शामिल है। वहीं इन हमलों में 14 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान पर तीखा हमला किया। भारत ने पाकिस्तान पर अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ ट्रेड और ट्रांज़िट टेररिज़्मज़ करने का आरोप लगाया और अफ़गान इलाके में उसके एयरस्ट्राइक की निंदा की। साथ ही भारत ने कहा कि नरसंहार को मिलिट्री ऑपरेशन का रूप देने से ज़िम्मेदार लोग बरी नहीं हो जाते।

अफ़गानिस्तान के हालात पर सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मीटिंग में बोलते हुए भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वतनेनी ने कहा कि पाकिस्तान के मिलिट्री हमलों से बड़ी संख्या में आम लोग मारे गए हैं और उन्हें तकलीफ़ हुई है। उन्होंने कहा, अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ पाकिस्तान के मिलिट्री एयरस्ट्राइक के कैंपेन से बड़ी संख्या में आम लोग मारे गए हैं और अफ़गान लोगों को तकलीफ़ हो रही है। इससे अफ़गानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन हुआ है और इलाके की शांति और स्टेबिलिटी के लिए खतरा बढ़ा है।

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने पीएम मोदी को ऐतिहासिक उपलब्धि पर दी बधाई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए अपने संदेश में बुधवार को अनवर इब्राहिम ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ज्वर्षों की समर्पित जनसेवा और भारत के विकास, समृद्धि तथा वैश्विक मंच पर उसकी स्थिति को मजबूत करने वाले नेतृत्वज्ज् को दर्शाती है। उन्होंने भारत और मलेशिया के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों का भी उल्लेख किया और दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि वे दोनों देशों के लोगों के लिए नए अवसरों के विस्तार को लेकर भारत के साथ साझेदारी आगे बढ़ाने के इच्छुक हैं।

अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री मोदी को उनकी निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए भारत की जनता के लिए शांति, प्रगति और समृद्धि की कामना भी की। यह बधाई संदेश ऐसे समय आया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में 12 वर्ष पूरे करते

गर्भवती महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में ऐतिहासिक सुधार : नड्डा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु के लक्ष्य को लेकर शुरू किया गया प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) मंगलवार को अपनी सफल यात्रा के 10 वर्ष पूरे कर गया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने देशभर में 'पीएमएसएमए के 10 साल - देखभाल का एक दशक' अभियान की शुरुआत करते हुए 75 रुपये का स्मारक सिक्का और 5 रुपये का विशेष डाक टिकट जारी किया।

इस मौके पर जे पी नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप शुरू हुई यह पहल देश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित हुई है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 1990 के बाद से मातृ मृत्यु दर में 86 प्रतिशत की कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत 48 प्रतिशत से कहीं बेहतर है। वहीं पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 79 प्रतिशत और नवजात मृत्यु दर में 70 प्रतिशत की कमी आई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) के अनुसार संस्थागत प्रसव बढ़कर 90.6 प्रतिशत और प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) कवरेज 95.9 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने इसे स्वास्थ्य तंत्र की मजबूती और जागरूकता बढ़ने का परिणाम बताया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में पीएमएसएमए के तहत 7.5 करोड़ से अधिक प्रसव पूर्व जांचें की गईं और करीब 1.2 करोड़ उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान कर समय रहते उपचार सुनिश्चित किया गया। उन्होंने कहा कि देशभर में 9,000 से अधिक निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता इस अभियान से जुड़े हैं, जिससे दूरदराज और आकांक्षी जिलों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की पहुंच बढ़ी है।

भारत में परिसर खोलेंगे ब्रिटेन-ऑस्ट्रेलिया के 3 प्रतिष्ठित विवि, शिक्षा मंत्रालय ने दी मंजूरी

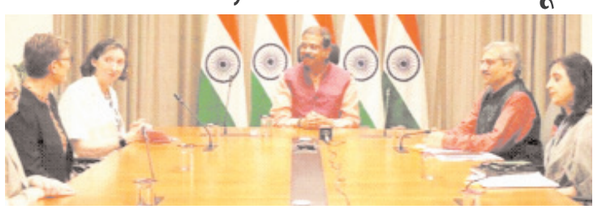

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए तीन प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने परिसर स्थापित करने की मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव और यूजीसी अध्यक्ष डॉ. विनीत जोशी ने यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क और यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स को स्वीकृति पत्र (एलओपी) सौंपे।

इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इन विश्वविद्यालयों का भारत में परिसर स्थापित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इससे देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, वैश्विक शैक्षणिक साझेदारी और शोध सहयोग को और मजबूती मिलेगी।

प्रधान ने कहा कि ब्रिस्टल और यॉर्क विश्वविद्यालयों द्वारा मुंबई में तथा न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय द्वारा बेंगलुरु में परिसर स्थापित किया जाना भारत के दो प्रमुख ज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्रों को वैश्विक शिक्षा से जोड़ने का कार्य करेगा।

राष्ट्रीय सहकारिता नीति के क्रियान्वयन पर बनी समिति की पहली बैठक, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देने पर जोर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 के तहत गठित राष्ट्रीय नीति कार्यान्वयन, निगरानी समिति की पहली बैठक मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित हुई। बैठक में नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और सहकारी संस्थाओं के बीच समन्वित कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता सहकारिता मंत्रालय के सचिव आशीष कुमार भूटानी ने की। उन्होंने कहा कि मजबूत, पारदर्शी और आधुनिक सहकारी संस्थाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देंगी और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में अहम योगदान देंगी। सहकारी संस्थाओं को पारदर्शी, तकनीक-सक्षम, पेशेवर रूप से संचालित और सदस्य-केंद्रित आर्थिक संस्थाओं में बदलने के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करती है।

भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर नाइजीरियाई राष्ट्रपति और अमेरिकी राजदूत ने पीएम मोदी को दी बधाई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर दुनिया के कई शीर्ष नेताओं से बधाइयां मिल रही हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जिओ गौर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी को बधाई दी तो वहीं नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने पोस्ट किया, च्भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर पीएम नरेंद्र मोदी को बधाई। यह उपलब्धि दशकों की उनकी समर्पित जन-सेवा और नेतृत्व का एक सशक्त प्रमाण है! उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इसी तरह, नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू ने भी एक्स पर पोस्ट कर पीएम मोदी को इस ऐतिहासिक मील के पत्थर पर

बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय जनता के उनके नेतृत्व में लगातार तीन जनादेशों के माध्यम से जताए गए भरोसे को दर्शाती है।टीनुबू ने अपने संदेश में लिखा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देता हूं। यह शानदार उपलब्धि उस अटूट भरोसे और विश्वास को दर्शाती है जो भारत की जनता ने लगातार तीन कार्यकालों में उनके नेतृत्व पर जताया है। जन-सेवा के प्रति उनका समर्पण, राष्ट्रीय विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और वैश्विक मंच पर उनका प्रभावशाली नेतृत्व दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करता रहता है।

इस वर्ष श्रद्धालुओं, पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह

रिकॉर्ड, आदि कैलाश-ओम पर्वत यात्रा के लिए जारी हुए 36,776 इनर लाइन परमिट

पिथौरागढ़ ■ एजेंसी

सीमांत जनपद पिथौरागढ़ स्थित आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा को लेकर इस वर्ष देशभर के श्रद्धालुओं, पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यात्रा के लिए जारी किए जा रहे इनर लाइन परमिट (आईएलपी) की संख्या ने पिछले वर्षों के सभी रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं। अबतक 36,776 इनर लाइन परमिट जारी किए जा चुके हैं, जो यात्रा के प्रति बढ़ती आस्था और आकर्षण को दर्शाता है।

देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पर्यटक, ट्रेकर और प्रकृति प्रेमी पिथौरागढ़ पहुंचकर आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा यात्रा प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाओं और परमिट प्रक्रिया को सरल बनाते हुए बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आदि कैलाश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में वर्ष 2023 में नरेन्द्र मोदी के जोलिंगकोंग स्थित आदि कैलाश भ्रमण तथा वर्ष 2024 में पुष्कर सिंह धामी द्वारा आयोजित योग कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं, वर्ष 2025 में आयोजित आदि कैलाश अल्ट्रा मैराथन ने भी इस क्षेत्र को व्यापक पहचान दिलाई है। वर्ष 2025 में पूरे यात्रा सत्र के दौरान कुल

36,526 इनर लाइन परमिट जारी किए गए थे, जबकि इस वर्ष यात्रा शुरू होने के महज 39 दिनों के भीतर ही यह आंकड़ा पार हो गया है। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने कहा कि यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष पूरे यात्रा सत्र में लगभग 36,600 श्रद्धालुओं ने यात्रा की थी, जबकि इस वर्ष मात्र 39 दिनों में ही 36,700 से अधिक इनर लाइन परमिट जारी हो चुके हैं। यह पिछले सभी रिकॉर्ड को पार करने वाली उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों पर बेहतर सड़क संपर्क, यात्री सुविधाओं के विस्तार और आवासीय व्यवस्थाओं में सुधार के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। जिला प्रशासन और राज्य सरकार द्वारा यात्रा को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके चलते क्षेत्र में होमस्टे और अन्य आवासीय सुविधाओं का भी तेजी से विकास हुआ है। जिलाधिकारी ने कहा कि यात्रा में बढ़ती भागीदारी का सीधा लाभ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिल रहा है। पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि से स्थानीय व्यापार, परिवहन, होमस्टे संचालन, हस्तशिल्प और स्वरोजगार गतिविधियों को बढ़ावा मिला है, जिससे सीमांत क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती राष्ट्रीय पहचान और बेहतर व्यवस्थाओं के कारण देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पिथौरागढ़ पहुंच रहे हैं।

सीएम योगी बोले- राम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं

लखनऊ ■ एजेंसी

योगी आदित्यनाथ ने दो-टूक कहा कि जिनके मन में भारत के प्रति आस्था, निष्ठा नहीं है और जो संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, ऐसे लोगों के लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकती। प्रभु श्रीराम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं मिली। लव व लैंड जिहाद के प्रति आगाह करते हुए सीएम ने कहा कि इसके विरुद्ध समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा। तोड़ने वाली ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा करेंगी, लेकिन भारत की संत शक्ति समाज को एकजुट कर देश को आगे ले जाना चाहती हैं। व्यासपीठ द्वारा जिस मर्म को समझाने का प्रयास किया गया, हमें उसे आत्मसात करना

होगा। कथा केवल सुनने की नहीं, बल्कि अंगीकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को राजधानी में 9 दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन समारोह में रामभक्तों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रामकथा का श्रवण भी किया।

संक्षिप्त समाचार

होम्योपैथी कॉलेज में बैकडोर एंट्री का खेल; योग्य डॉक्टरों ने राज्यपाल से की शिकायत

भोपाल। राजधानी स्थित शासकीय होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर पदों पर आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से की जा रही नियुक्तियों को लेकर विवाद गहरा गया है। चयन प्रक्रिया को नियम–विरुद्ध और अवैध बताते हुए कुछ योग्य चिकित्सकों ने राज्यपाल के समक्ष न्याय याचिका दायर कर मामले की जांच और भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि उच्च शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियों के लिए संवैधानिक संस्था मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) को पूरी तरह दरकिनार किया जा रहा है। उनका कहना है कि आउटसोर्सिंग एजेंसी (सेडमैप) के माध्यम से भर्ती कर पसंदीदा लोगों को 'बैकडोर एंट्री' देने की कोशिश की जा रही है, जो सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न फैसलों और स्थापित भर्ती नियमों की भावना के विपरीत है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के बावजूद इतने महत्वपूर्ण शैक्षणिक पदों की भर्ती किसी मैनपावर एजेंसी को सौंपना गंभीर अनियमितता है। उनका आरोप है कि इससे चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता और पारदर्शिता दोनों प्रभावित हो सकती हैं।

दो लाख मरीजों को आंखों की रोशनी का इंतजार

भोपाल। मध्य प्रदेश में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस (कॉर्निया की खराबी से होने वाली दृष्टिहीनता) से जूझ रहे हजारों मरीजों के लिए रोशनी का इंतजार लगातार लंबा होता जा रहा है। स्थिति यह है कि प्रदेश में हर वर्ष करीब 6,000 कॉर्निया की आवश्यकता होती है, लेकिन जागरूकता और संसाधनों की कमी के कारण केवल 1,500 कॉर्निया ही उपलब्ध हो पाते हैं। परिणामस्वरूप करीब 75 प्रतिशत मरीजों को लंबे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में वर्तमान में दो लाख से अधिक मरीज कॉर्निया प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा सूची में हैं। हर वर्ष इस सूची में 1,500 से 1,800 नए मरीज और जुड़ जाते हैं।

कैंडी क्रश खेलते समय मोबाइल हुआ हैक, और लग गई 1 लाख की चपत

भोपाल। जहॉंगीराबाद थाना इलाके में एक युवक मोबाइल पर गेम खेल रहा था, उसी दौरान उसका मोबाइल हैक हुआ और ठगो ने एकाउंट से 1 लाख की रकम उड़ा दी। जानकारी के अनुसार जहांगीराबाद इलाके में लक्ष्मीगंज गल्लामंडी बरखेड़ी निवासी यूसुफ (50) अपने मोबाइल पर कैंडी क्रश गेम खेल रहे थे। अचानक ही मोबाइल हैक होकर बंद हो गया। करीब दस मिनट बाद मोबाइल चालू हुआ तब यूसुफ ने मोबाइल पर फोन–पे के माध्यम से बैलेंस चेक किया तो उनके खाते से एक लाख रुपए कट चुके थे। फरियादी ने साइबर सेल में शिकायत की थी, साइबर सेल ने जीरो पर प्रकरण दर्ज कर केस डायरी जहांगीराबाद थाने भेजी। कायमी कर पुलिस आगे की जॉच कर रही है।

'शौर्या दल 22 लाख महिलाओं की देश की सबसे बड़ी साइलेंट आर्मी

भोपाल। मध्यप्रदेश के गांवों और शहरों की गलियों से गुज़रते हुए अगर आपको साड़ी का पल्लू संभाले या कॉलेज का बैग टांगे महिलाओं की कोई टोली दिखाई दे, तो उन्हें सिर्फ राहगीर समझने की भूल मत कीजिएगा। यह मध्यप्रदेश की शौर्या दल सेना है—बिना वर्दी के समाज की वो गार्डियन जो आज देश में महिला सशक्तिकरण की सबसे बुलंद हुंकार बन चुकी है ,जिसने महिला सशक्तिकरण की परिभाषा को कागजों से निकालकर धरातल पर साकार कर दिखाया है। वर्ष 2013 में महज़ 6 जिलों से शुरू हुआ यह कारवां आज प्रदेश के कोने–कोने में फैल चुका है, जिसे देखते हुए सरकार ने इसे अगले 5 साल (2026–27 से 2030–31) तक लगातार जारी रखने का महत्वपूर्ण फैसला किया है। शौर्या दल की सबसे बड़ी यूएसपी यह है कि ये अपराध होने के बाद मोमबत्तियां नहीं जलातीं, बल्कि अपराध होने से पहले ही उसकी कमर तोड़ देती हैं। किसी घर में घरेलू हिंसा की सुगबुगाहट हो, किसी गांव में गुपचुप बाल विवाह मंडप सज रहा हो, या कोई संदिग्ध मानव तस्करी (ट्रैफिकिंग) का जाल बुन रहा हो—शौर्या दल का खुफिया नेटवर्क तुरंत एक्टिव हो जाता है। 15 से 45 वर्ष की ये जांबाज महिलाएं पुलिस और कानून के हस्तक्षेप से पहले अपनी सामुदायिक समझाइश के ब्रह्मास्त्र से बड़े–बड़े मामलों को शांति से सुलझा देती हैं।

पंचायतों से छीनेंगे कॉलोनी विकास की अनुमति

भोपाल। अवैध कॉलोनियों पर सख्ती से रोक लगाने और वैध को नियमों के मुताबिक तय समय सीमा में अनुमति मिलने का प्रावधान नए मध्यप्रदेश कॉलोनी एकीकृत अधिनियम 2026 में किया जा रहा है। नगरीय प्रशासन और विकास विभाग ने यह प्रारुप तैयार किया है, जिसमें 45 दिन में अवैध कॉलोनी को हटाने अनिवार्य रहेगा, वहीं अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक की जवाबदेही तय होगी। इसी के साथ 75 दिन में वैध कॉलोनी को अनुमति देना भी जरूरी रहेगा अन्यथा डिम्ड परमिशन मान्य होगी। अवैध कॉलोनाइजर को 10 साल की जेल और 1 करोड़ जुर्माना भुगतना पड़ेगा। पंचायतों से अनुमति के अधिकार मिलेंगे और ग्रामीण क्षेत्र में कलेक्टर तथा शहरी क्षेत्र में एसडीएम को विकास अनुमति जारी करने के अधिकार प्राप्त होंगे। कार्यपूर्ति प्रमाण–पत्र यानी कम्पलिशन सर्टिफिकेट भी 45 दिन में ही देना पड़ेगा। पहले तो हर विधानसभा चुनाव के दौरान अवैध कॉलोनियों को वैध करने का हल्ला शासन द्वारा मचाया जाता है और हजारों कॉलोनियों को वैध करने का दावा किया जाता है। मगर बाद में गिनती की ही कॉलोनियां वैध हो पाती है।

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने विधायक रामेश्वर शर्मा के साथ नीलबड़ मंदिर पर बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशाल रंगोली अनाज से बनाए जाने तथा पीएम के 4399 दिन पूर्ण होने पर कार्यकर्ताओं द्वारा खुशी मनाई गई।

किसानों के अनाज से बनाई पीएम मोदी की रंगोली

भोपाल में भाजपा विधायक का आयोजन, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल शामिल हुए

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल के कार्यकाल पूरे होने और सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड पर भोपाल के नीलबड़ में विशेष आयोजन किया गया। यहां किसानों के अनाज से प्रधानमंत्री मोदी की आकर्षक रंगोली बनाई गई। यह आयोजन भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा की पहल पर नीलबड़ स्थित दुर्गा माता मंदिर परिसर में हुआ। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ भी किया गया।

किसानों के अनाज से बनाई गई रंगोली: रामेश्वर शर्मा ने बताया कि रंगोली किसानों द्वारा उपलब्ध कराए गए अनाज से बनाई गई है। रंगोली में प्रधानमंत्री के 12 सालों के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों को दर्शाया गया है।

पीएम के दीर्घायु की कामना: कार्यक्रम में किसानों और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इसके बाद मां सिंहवाहिनी मंदिर में आरती कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ता, किसान और क्षेत्र के सैकड़ों नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, प्रदेश सह–मीडिया प्रभारी बृजगोपाल लोया सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मीनाक्षी का नॉमिनेशन खारिज होने के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

भोपाल से दिल्ली तक कांग्रेस का उपवास प्रदर्शन, दिग्विजय, सिंघार सहित दिग्गज नेता धरने पर बैठे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में कांग्रेस के कार्यकर्ता बुधवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) दफ्तर पहुंचे। गेट बंद मिलने पर उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गणवेश दफ्तर के बाहर गेट पर टांग दी और लौट गए। मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने के बाद विवाद गहरा गया है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल थोड़ी ही देर में दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात करेगा।

प्रतिनिधिमंडल में केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, रणदीप सुरजेवाला, सचिन पायलट, भूपेश बघेल, दीपा दासमुंशी, विवेक तन्खा, मीनाक्षी नटराजन, मोहम्मद अली खान और उमर होडा शामिल हैं। राज्यसभा सांसद और पार्टी लीडर अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि रिटर्निंग अफसर का निर्णय कानूनी रूप से गलत है। उसका किसी भी तरह से समर्थन नहीं किया जा सकता। वह 2+2 को 5 नहीं, 7 लिखने जैसा है। रद्द करने का सिर्फ एक कारण बताया गया कि नटराजन ने अपने एक क्रिमिनल केस की जानकारी नहीं दी।

मंगलवार को चुनाव अधिकारियों ने हलफनामे में अनियमितताएं पाए जाने के आधार पर मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज कर दिया था। जिसके बाद कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली और भोपाल में चुनाव आयोग के दफ्तरों के बाहर धरना दिया था।

अभिषेक मनु सिंघवी बोले- रिटर्निंग अफसर का निर्णय 2+2 को 7 बताने जैसा

मीनाक्षी नटराजन का फॉर्म निरस्त होने पर अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि रिटर्निंग अफसर का निर्णय कानूनी रूप से गलत है। उसका किसी भी तरह से समर्थन नहीं किया जा सकता। वह 2+2 को 5 नहीं, 7 लिखने जैसा है। रद्द करने का सिर्फ एक कारण बताया गया कि नटराजन ने अपने एक क्रिमिनल केस की जानकारी नहीं दी।

भाजपा का आरोप था कि उन्होंने शपथ पत्र में हैदराबाद कोर्ट के एक लंबित मामले की जानकारी छिपाई। नटराजन का नामांकन खारिज होने को कांग्रेस ने 'लोकतंत्र की हत्या' और 'सीट चोरी' बताया।

यह केवल कांग्रेस की नहीं, पूरे देश की लड़ाई- भूरिया: कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने कहा, 'यह केवल कांग्रेस की लड़ाई नहीं, पूरे देश की लड़ाई है। विधायकों को खरीदने की बात कर रहे थे। जब कोई विधायक नहीं दिखा, तो उन्होंने नॉमिनेशन खारिज कर दिया।'

वेणुगोपाल और जयराम रमेश दिल्ली में EC दफ्तर पहुंचे: मीनाक्षी नटराजन का नॉमिनेशन रद्द होने के मामले में चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिलने के लिए कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश भारत निर्वाचन आयोग के दफ्तर पहुंचे। उनके साथ मीनाक्षी नटराजन समेत आठ अन्य कांग्रेस नेता भी मौजूद हैं।

चुनाव आयोग किसी दबाव में हो सकता है- कांग्रेस सांसद

तेलंगाना से कांग्रेस सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द होने पर कहा, 'मध्य प्रदेश में मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द किया जाना चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाता है। तेलंगाना में दर्ज निजी शिकायत के आधार पर उनका नामांकन खारिज नहीं किया जाना चाहिए था, क्योंकि नोटिस मिलने पर वह उसका जवाब दे चुकी थीं।

BNS की धारा 223 के तहत नागरिकों को निजी शिकायतों का जवाब देने का अधिकार है। ऐसी शिकायतों को आपराधिक मामला मानकर चुनाव प्रक्रिया के दौरान फॉर्म–26 में घोषित करना आवश्यक नहीं है। इससे लगता है कि चुनाव आयोग किसी दबाव में हो सकता है।'

कांग्रेस ने खुद ही नामांकन फॉर्म रद्द करवाया- सारंग: मध्य प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग ने मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द होने पर कहा कि कांग्रेस ने खुद ही नामांकन फॉर्म रद्द करवाया। अगर चुनाव होता, तो हम तीसरी सीट भी जीत जाते। कांग्रेस नेताओं ने भी माना था कि 20 से 25 विधायक क्रॉस–वोटिंग करेंगे। इसी डर से कांग्रेस ने खुद ही फॉर्म रद्द करवा दिया। फॉर्म गलत तरीके से क्यों भरा गया? हलफनामे में ज़रूरी जानकारी क्यों नहीं दी गई?

नाबालिग छात्रा ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

शव के पास मिला मोबाइल, कमरे में मिलीं गर्भनिरोधक गोलियां

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के बजरिया थाना क्षेत्र में 17 साल की एक छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना मंगलवार रात करीब 8:30 बजे की है। पुलिस को मौके से एक मोबाइल फोन और गर्भनिरोधक गोलियों का पत्ता मिला है। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम हुआ। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार छात्रा ने इसी साल 12वीं की परीक्षा पास की थी। वह अपने पिता के साथ रहती थी, जबकि उसकी मां 2017 से अलग रह रही है। परिवार में उससे छोटा एक भाई और एक बहन हैं।

कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो हुई जानकारी: घटना के समय दोनों छोटे भाई–बहन घर के बाहर खेल रहे थे। रात में घर लौटने पर उन्होंने बहन को आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। कई बार दरवाजा खटखटाने के बाद उन्होंने अपने चाचा को सूचना दी। चाचा ने छात्रा के पिता को बुलाया। पिता के घर पहुंचने पर दरवाजे में बने छेद से अंदर देखा गया। इसके बाद किसी तरह दरवाजा खोला गया तो छात्रा फंदे पर लटकी मिली। घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई।

पुलिस कर रही जांच: बजरिया थाना प्रभारी के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मोबाइल की जांच और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

पिता ने कहा- मोबाइल हमनें नहीं दिलाया

पिता का कहना है कि उन्होंने बेटी को कभी मोबाइल फोन नहीं दिलाया था। घटनास्थल के पास एक मोबाइल मिला है, जिसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। कमरे से गर्भनिरोधक गोलियों का पत्ता भी मिला है। उनका कहना है कि ये सामान घर में कैसे आया, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

गोदरमऊ जिनालय में भगवान मुनिसुव्रतनाथनाथ स्वामी का महामस्तकाभिषेक में दिखाई दी श्रद्धा भक्ति

भोपाल ■ अमृत दर्शन

गोदरमऊ जिनालय में प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मूलनायक भगवान मुनिसुव्रतनाथ स्वामी का महामस्तकाभिषेक में जिनालय जयकारे से गूंज उठा। श्रद्धालुओं में उत्साह दिख रहा था। श्रद्धा भक्ति आस्था के साथ आचार्य विद्या समय सागर महाराज के शिष्य निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में पूजा अर्चना अनुष्ठान हुए प्रवक्ता मुख्य अभिषेक मूलचंद हरकचंद प्रवीण जैन रेंडू परिवार ओर डॉ अंकुश जैन ओर शांति धारा विपिन जैन साकेत जैन परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुनि श्री ने कहा धार्मिक क्रिया करने का पुण्य से प्राप्त होता हे, , जिनालय में महा आरती के साथ जाप अनुष्ठान भी हुए।

शौर्य समारक में मना आकाशवाणी की 90 वर्षीय यात्रा का जश्न

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भारतीय प्रसारण जगत के इतिहास में एक मील का पत्थर स्थापित करते हुए, आकाशवाणी ने 8 जून 2026 को अपनी गौरवशाली यात्रा के 90 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर विविध भारती भोपाल (103.5 स्नरू) की टीम ने भोपाल के ऐतिहासिक 'शौर्य स्मारक' में एक भव्य और स्मरणीय समारोह का आयोजन किया।

इस अवसर पर विविध भारती के कार्यक्रम प्रमुख श्री आनंद उद्दे ने कहा कि, ''ये आकाशवाणी है...' यह वाक्य केवल एक उद्घोष नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की स्मृतियों, संवेदनाओं और हमारी राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न हिस्सा है।

श्री उद्दे ने कहा कि आकाशवाणी की यह 90 साल की यात्रा महज एक प्रसारण संस्था की नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माण और विकास की यात्रा भी है।

शौर्य स्मारक में मौजूद श्रोताओं और प्रस्तोताओं ने आकाशवाणी से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राम वल्लभ आचार्य ने अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि आकाशवाणी भोपाल के स्वर्ण जयंती वर्ष में मुझसे आकाशवाणी के संबंध में गीत लिखने को कहा गया तब मैंने आकाशवाणी के ध्येय वाक्य 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय 'को आधार बनाकर 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय बहुजन कल्याणी' गीत लिखा जिसे आकाशवाणी के अधिकृत गीत के रूप में मान्य किया गया। आपने कहा कि अपने ध्येय वाक्य को चरितार्थ कर आकाशवाणी ने देश के सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यों को विश्वपटल पर रखने के साथ देश की विकास यात्रा में अग्रणी भूमिका निभायी है। इस अवसर पर अनिल माथुर, डॉ. गिरिजेश सक्सेना एवं अन्य अतिथियों ने भी अपने संस्मरण और विचार साझा किये।

विविध भारती भोपाल की टीम द्वारा आयोजित यह भव्य समारोह आकाशवाणी के उन लाखों श्रोताओं को समर्पित रहा, जिन्होंने पिछले नौ दशकों से इस 'आवाज़' पर अपना अटूट विश्वास बनाए रखा है। यह आयोजन न केवल पुरानी यादों का एक गलियारा बना, बल्कि आकाशवाणी के भविष्य के प्रति एक नए संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

भोपाल आ रही फ्लाइट की उड़ान ऐन वक्त पर रुकी

रनवे पर गति पकड़ चुका था विमान, अचानक लगाए ब्रेक; ढाई घंटे देरी से पहुंचा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुंबई से भोपाल आ रही इंडिगो की फ्लाइट मंगलवार को एक तकनीकी संकेत के चद्बते टेक–ऑफ के अंतिम चरण में ही रोक दी गई। यह फैसला उस समय लिया गया जब विमान रनवे पर गति पकड़ चुका था और कुछ ही क्षणों में उड़ान भरने वाला था। अचानक ब्रेक लगने से विमान में बैठे 201 यात्रियों में कुछ समय के लिए घबराहट का माहौल बन गया।

एयरबस A–321 नियो विमान ने दोपहर करीब 3:50 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने की प्रक्रिया शुरू की थी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल से अनुमति मिलने के बाद जैसे ही विमान ने रफ्तार पकड़ी, पायलट को सिस्टम में तकनीकी गड़बड़ी का संकेत मिला। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने तत्काल टेक–ऑफ निरस्त कर विमान को रोक दिया।

इस घटनाक्रम के दौरान विमान में मौजूद 221 यात्रियों की धड़कनें तेज हो गईं। कई यात्रियों ने इसे बेहद

तनावपूर्ण अनुभव बताया। नियमित हवाई यात्री देवाशीष ने कहा कि विमान का अचानक रुकना किसी झटके से कम नहीं था।

घटना के बाद विमान को रनवे से हटाकर पार्किंग बे में खड़ा किया गया, जहां इंजीनियरों की टीम ने विस्तृत तकनीकी जांच की। इस फ्लाइट में हज यात्रा से लौट रहे लगभग 25 यात्री भी शामिल थे, जिनके स्वागत के लिए भोपाल एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में परिजन मौजूद थे। उन्हें निर्धारित समय से कहीं ज्यादा इंतजार करना पड़ा।

एक घंटे बाद यात्रियों को कराया अवगत: करीब एक घंटे बाद यात्रियों को स्थिति से अवगत कराया गया। सभी आवश्यक परीक्षण पूरे होने के बाद शाम 6:26 बजे विमान ने दोबारा उड़ान भरी और रात लगभग 7:40 बजे भोपाल पहुंचा।

हालांकि, एयरलाइन की ओर से तकनीकी खराबी की प्रकृति को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। विमानन विशेषज्ञों का मानना है कि टेक–ऑफ के अंतिम क्षणों में उड़ान रोकना सामान्य नहीं होता, लेकिन सुरक्षा मानकों के तहत यह एक सतर्क और आवश्यक कदम है।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।